



04 - बिहार से नीतीश कुमार की विदाई के मायने



05 - जिग्मेदार नागरिक बनने का वक्त

A Daily News Magazine

मोपाल
शनिवार, 14 मार्च, 2026



मोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 23, अंक 190, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रु. 2



06 - 'विकल्प बहुत मिलेंगे मार्ग भटकाने के लिए, संकल्प एक ही रचना...



07 - विकास कार्यों में गुणवत्ता से समझौता नहीं: अपर मुष्टय सचिव.

सुबह

subhasaverenews@gmail.com
facebook.com/subhasaverenews
www.subhasavere.news
twitter.com/subhasaverenews

शहर की सुबह

तुम्हारा प्यार एक झील है जिसमें मैं नहाता रहता हूँ तुम्हारा प्यार हृदय का रस है जिसका स्वाद मुझे रसमय कर देता है तुम्हारा प्यार आंखों की लालिमा है जो एक क्षण भी दूर नहीं होती तुम्हारा प्यार देहरी पर जलता दीया है/जो.. बाहर-भीतर को आलोकित करता है तुम्हारा प्यार जीवन का सरसतम गीत है जो अन्तर्ध्वनित होता रहता है।
-दुर्गाप्रसाद झा

प्रसंगवश

नेपाल : बालेंदु शाह के सामने अब समस्याओं का पहाड़

अरविंद मोहन

नेपाल के चुनाव में साफ जनादेश के बाद अब नई सरकार के सामने बड़ी चुनौतियाँ हैं। बालेंदु शाह के नेतृत्व में गठित होने वाली सरकार के सामने आर्थिक संकट, राजनीतिक अस्थिरता और प्रशासनिक सुधार जैसे बड़े सवाल खड़े हैं। नेपाल चुनाव और उसके नतीजों की व्याख्या कई तरह से की जा रही है। लेकिन चुनाव की प्रक्रिया के दौरान वहां जो कुछ दिखा उसकी चर्चा कम हुई। चुनाव घोषणा होते ही हर बड़े दल में उतपटक हुई और कई टूट-फूट तथा विलय भी देखने में आये। कई दलों ने अपने 'आराध्य' का नाम लेना पाप समझा तो नेपाली कांग्रेस ने नेपाल के जैन-जी आंदोलन और मुख्य ताकत बनाकर उभर रही राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को देखते हुए नया नेता चुना। तब भी पार्टी चारों खाने चित्त हुई। हर दल ने नौजवानों को आगे करने का प्रयास जरूर किया लेकिन स्थापित पुराना नेतृत्व नतीजों के पहले मैदान छोड़ने को तैयार न था। जिस समानुपातिक प्रणाली से नेपाल संसद का एक बड़ा हिस्सा भरने की विलक्षण व्यवस्था की गई है, उसके लिए पार्टियों के नामांकन की सूची चुनाव उम्मीदवार चुनने से पहले बनी। और उसे बनाने के क्रम में ही असली झगड़े हुए और आप पाएंगे कि इतने साफ जनादेश के बावजूद जब इस व्यवस्था वाले सांसद आये तो काफ़ी पिटे-पिटए चेहरे दिखने में आये। नेपाल कांग्रेस की आंतरिक लड़ाई पार्ट दो शुरू होगी और संभव है कि बुरी तरह पिटकर कम्युनिस्ट पार्टियां भी एकजुट होने की कोशिश करें। लेकिन नेपाल के लोगों ने जितना साफ जनादेश दिया है उसे समझने की जरूरत है और वह पूरी पुरानी

राजनीति को लगभग सीधे नकारने जैसा है। इतना कहने में हर्ज नहीं है कि नेपाली मतदाता ने सारे 'बादों' अर्थात् विचारधारा का नाम लेकर राजनैतिक नौटंकी करने वालों को ठुकराया है। इसमें कम्युनिस्ट खेमे के दल तो हैं ही, दक्षिणपंथी और राजा समर्थक दल भी हैं। एक पार्टी तो सीधे राजतंत्र की वापसी के नाम पर इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हिस्सा ले रही थी। एक सीधे चीन समर्थक पार्टी थी। पर ज्यादा दिलचस्प मामला मधेश और पहाड़ या किसी जाति और क्षेत्र का नाम लेकर राजनीति करने वालों की दुर्गति भी रही। खुद बालेंदु शाह के मैथिली बयान या मधेशी होने का सवाल भी उठया गया, लेकिन लगता नहीं कि मतदाता इन बातों से किसी भी तरह प्रभावित हुए। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को दो तिहाई बहुमत का मतलब बहुत बड़ा है और वह नए कानून बनाने से लेकर इस पर्वतीय राष्ट्र की किस्मत बनाने-बिगाड़ने के लिए कोई भी कदम उठा सकती है। पर उसकी अपनी राजनीति भी है और प्रधानमंत्री बनने जा रहे बालेंदु उर्फ बालेंदु शाह और पार्टी अध्यक्ष रबी लामिछाने के बीच भी दोस्ती चुनाव के पहले ही हुई है। लामिछाने के खिलाफ कई गंभीर आरोप भी हैं। 35 साल के बालेंदु शाह ने अभी तक पर्याप्त समझदारी दिखाई है लेकिन काठमांडू शहर के शासन और नेपाल के शासन में फर्क है। उम्मीद करनी चाहिए कि उनका उत्साह और नई ऊर्जा इस जवाबदेही को बहुत बढ़िया ढंग से पूरा करने में मदद देगी। चुनावी वायदों का पिटारा काफ़ी बड़ा है, लेकिन आँख से दिखती मुश्किलों का पहाड़ वास्तविक पहाड़ों से कम ऊँचा नहीं है। बालेंदु शाह के साथ किसी वाद का तमगा नहीं है, न ही उन्होंने इस तरह के 'फॉर्मूले' वाले ज़्यादा वायदे किए हैं। लेकिन वे विचारधारा से मुक्त होंगे और स्वतंत्र पार्टी का मतलब

किसी क्रिस्म की मूल्यगत निष्ठा से स्वतंत्र होना नहीं है। बेरोजगारी, गरीबी, प्राकृतिक संसाधनों का कुप्रबंध या लूट, भारत और चीन जैसे दो बड़े पड़ोसी देशों के बीच संतुलन साधते हुए आगे बढ़ने की चुनौती और लोकतांत्रिक व्यवस्था में ही दिखी कमजोरियों को दुरुस्त करने का काम इतना बड़ा है कि इन पड़ोसियों से किसी क्रिस्म की होड़ लेने या दौंव-पंच दिखाने की फुर्सत नहीं होगी। अभी तक लोकतांत्रिक व्यवस्था से चुने गए अधिकांश सरकारों ने नेपाल की खास भौगोलिक अवस्थिति का लाभ अपने स्वार्थ साधने में किया। इस बार नेपाली राजनीति के तीन सूत्र, के. पी. ओली, शेर बहादुर देउबा और प्रचंड एकदम हाशिये पर आ गए हैं। देउबा को तो उनकी पार्टी नेपाली कांग्रेस के नए नेताओं ने ही घर बैठा दिया तो ओली की बुरी पराजय हुई है। प्रचंड जरूर चुनाव जीते हैं लेकिन उनकी पार्टी दूसरे स्थान पर भी नहीं रह पाई। यह जगह गिरते-पड़ते नेपाल कांग्रेस को ही मिली है। फिर बाबूराम भट्टराई जैसे पूर्व सहयोगी के अलग दल बनाने से भी प्रचंड की पार्टी कमजोर हुई है। संभव है सारी कम्युनिस्ट पार्टियां फिर से एकजुटता का स्वर बुलंद करें लेकिन दुनिया में साम्यवाद की हालत और नेपाल में कम्युनिस्ट नेताओं द्वारा सत्ता संभालने का बुरा अनुभव लोगों को उन पर फिर विश्वास का मौका देगा, यह कहना जल्दबाजी होगी। गगन थापा और शेर बहादुर देउबा की लड़ाई से नेपाल कांग्रेस बंटी पड़ी है लेकिन जब समानुपातिक प्रणाली से सीटें भरने का अवसर आया तब देउबा फिर ताकतवर होंगे क्योंकि चुनाव आयोग को नाम भेजने का काम उनके समय ही हुआ है। अब चुनावी धुलाई के बाद जल्दी से राजशाही समर्थक पार्टी या अनेक

नामधारी लेकिन अलग-अलग जातीय प्रभाव वाले मधेशी दलों में भी कितना टिक पाएंगे यह देखने की चीज होगी। ऐसे बड़े और साफ जनादेश के बाद बालेंदु शाह के लिए तात्कालिक राजनैतिक चुनौतियां तो कम होंगी लेकिन उनको वापस लौटने में देर नहीं लगी। पर जिस तरह लोगों ने पुरानी राजनीति को ठुकराया है वैसा ही बदलाव एक अन्य मामले में दिखता है। के. पी. ओली और उनकी पार्टी की हार उनकी मौकापरस्त राजनीति के साथ नेपाल की राजनीति में चीनी दखल की कूटनीति को नकारना भी है। सौभाग्य से इस बार भारत की तरफ से या किसी भारतीय दल की तरफ से कोई ज़्यादा नुकसानदेह बयानबाजी नहीं की गई। बालेंदु शाह का एकाध भारत विरोधी बयान चलाने की कोशिश हुई तो यह तथ्य आने में देर नहीं हुई कि वह किसी और चीज/गलती की प्रतिक्रिया थी। नए आदमी के लिए राजनयन भी कोरे पने के साथ शुरू हो तो अच्छा रहता है। लेकिन मुख्य मसला देसी ही रहने वाला है क्योंकि नेपाल के पास अपनी समस्याओं की कमी नहीं है। और समस्याओं में असली समस्या नेताओं और जिम्मेवार लोगों का भ्रष्टाचार या भाई-भतीजावाद की रही है। लोकतंत्र आने के बाद से गिनती के नेताओं का आचरण ही शक-शुबह से ऊपर रहा है और उनकी चलने नहीं दी गई। इस बार जनता ने ऐसे सारे झमेले किनारे करके बालेंदु शाह को सत्ता सौंपी है। सितंबर में हुई बगवत अपनी समस्याओं के साथ नेताओं के आचरण के खिलाफ थी, इस बात को शाह से बढ़िया कौन जानता है।
(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

कोकराझार में 4,570 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन

गुवाहाटी में पीएम बोले- दशकों तक बोडोलैंड का एक क्षेत्र विश्वासघात का साक्षी रहा है

गुवाहाटी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार से दो दिन के असम दौरे पर हैं। दोपहर करीब 1.30 बजे वे गुवाहाटी पहुंचे। पीएम गुवाहाटी के अलावा आज कोकराझार और सिलचर का दौरा करने वाले थे, लेकिन खराब मौसम के चलते उन्होंने कोकराझार में प्रोजेक्ट्स का वर्चुअली उद्घाटन किया। पीएम ने लोगों को वर्चुअली संबोधित किया। उन्होंने कहा- दशकों तक बोडोलैंड का एक क्षेत्र विश्वासघात का साक्षी रहा है। बोडोलैंड के अनेक वीडियो को कांग्रेस ने छूटे सपनों में उलझाए रखा। मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने दिखाने के लिए कागजी समझौते किए। आपने कांग्रेस को खदेड़ा और एनडीए को मौका दिया तो हमने समझदारी से फैसले लिए। इसके बाद पीएम गुवाहाटी से सिलचर जाएंगे।



कांग्रेस एक वादे के साथ चार झूठ गिफ्ट में देती है- कांग्रेस झूठे वादों की दुकान है। एक वादे के साथ चार झूठ गिफ्ट में देती है। वही, आपके सामने बीजेपी का सफल मॉडल है। 2003 में जब दिल्ली में एनडीए सरकार थी। अटल जी के नेतृत्व में सच्चाई और ईमानदारी से काम करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। एनडीए की दोहरी झंज सरकार असम की विरासत के संरक्षण और उसके तीव्र विकास दोनों के लिए लगातार काम कर रही है। कोकराझार सहित इस पूरे क्षेत्र ने पिछले कुछ दशकों में भारी कठिनाइयों का सामना किया है। इसे भारी नुकसान उठाना पड़ा है। आज बोडोलैंड शांति और विकास के पथ पर अग्रसर है।

भागवत की मौजूदगी में संघ की समीक्षा, बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन पहली कतार में बैठे आरएसएस की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा हरियाणा में शुरू



पानीपत (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा शुक्रवार को हरियाणा के पानीपत में शुरू हो गई। यह सभा संघ की सर्वोच्च निर्णायक इकाई है और पानीपत में इसकी ये मीटिंग 3 दिन चलेगी। संघ प्रमुख मोहन भागवत इसके लिए सात दिन पहले ही पानीपत में बने संघ के

सेंटर पहुंच गए और तब से यहीं मौजूद हैं। संघ को नया रूप देने की चर्चाओं के बीच यह सभा बेहद अहम मानी जा रही है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन भी तीनों दिन यहां रहेंगे। पहले दिन मंच पर संघ प्रमुख मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ही बैठे। नबीन को पहली कतार में कुर्सी पर जगह मिली।

पहले दिन शताब्दी वर्ष के कामों पर चर्चा-अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने बताया कि पहले दिन आरएसएस के शताब्दी वर्ष में हुए कामों पर चर्चा होगी। दूसरे दिन आरएसएस के प्रकल्पों में आई चुनौतियों पर चर्चा होगी। साथ ही अगले एक साल में किए जाने वाले कामों की रूपरेखा तय होगी। आखिरी दिन यानी 15 मार्च को आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का संबोधन होगा। उसके बाद दत्तात्रेय होसबाले सभा में हुए निर्णयों और पारित प्रस्तावों की आधिकारिक जापकारी मीडिया में साझा करेंगे। आरएसएस में अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा एक तरह से निर्णय लेने वाली सबसे बड़ी इकाई है।

गवालियर जिले को दी 122 करोड़ रुपये के 54 विकास कार्यों की सौगात • लाइली बहना योजना ने बहनों को बनाया स्वावलंबी, लाइली बहना योजना की 34वीं किशर बहनों के खातों में डाली

डबल इंजन की सरकार में बहनों को मिल रही हैं डबल खुशियां : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश की बहनें आत्मनिर्भरता एवं स्वावलम्बन के मामले में पूरे देश के लिए उदाहरण बन रही हैं। प्रदेश के 5 लाख से अधिक स्व-सहायता समूहों से जुड़कर करीब 65 लाख बहनें आर्थिक रूप से सशक्त हुई हैं। आज प्रदेश में 12 लाख से अधिक लखपति दीर्घियां कार्यरत हैं। हम महिला उद्यमियों को भी प्रोत्साहित कर रहे हैं। हमारी बहनें अब फैक्ट्रियों और उद्योगों का नेतृत्व कर रही हैं। प्रदेश के 47 प्रतिशत नए स्टार्ट-अप का नेतृत्व अब हमारी बहनों के हाथों में है। हम सभी बहनों के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए मिशन मोड में कार्य करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में डबल इंजन की सरकार है, इसलिए यहां की बहनों को लाइली लक्ष्मी और लाइली बहना योजना के रूप में डबल खुशियां मिल रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को ग्वालियर जिले के शबरी माता मंदिर परिसर, घाटीगांव में आयोजित राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन में लाइली बहनों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री



श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत प्रत्येक कठिन परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार है। उन्होंने वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का लक्ष्य रखा है। इसमें प्रदेश की बहन-बेटियां भी अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नवरात्रि से पहले आज बहनों को 1500 रुपए की सौगात मिल रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लाइली बहना योजना में बहनों को योजना की 34वीं किशर प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख 27 हजार से अधिक बहनों

के खाते में 1 हजार 836 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की। इनमें ग्वालियर जिले की 3 लाख 16 हजार से अधिक लाइली बहनें भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब प्रदेश की हर लाइली बहनों के खाते में हर महीने 1500 रुपये भेजे जा रहे हैं। लाइली बहन योजना में अब तक 52 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि बहनों को दी जा चुकी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी लाइली बहनों से अपील करते हुए कहा कि वे हर महीने मिलने वाली इस राशि से अपनी बेहदारी के

लिए कोई भी रुचिकर काम-धंधा शुरू करें और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण में योगदान दें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्वालियर जिले को 121 करोड़ 95 लाख रुपये की लागत वाले 54 विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने सिंगल क्लक से लगभग 60 करोड़ रुपये की लागत के 35 विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लगभग 62 करोड़ रुपये की लागत वाले 19 विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इसमें 39 करोड़ 86 लाख रुपये की लागत से कुलैथ घाटीगांव में शासकीय सांघीय विद्यालय के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण भी शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 2 महीने बाद लाइली बहना योजना के 3 साल पूरे हो जायेंगे। इन 3 सालों में प्रदेश की बहनों की जिन्दगी जिस तरह से बदली है, वह भूतो न भविष्यति है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि जनवरी 2024 से फरवरी 2026 तक 42 हजार 308 करोड़ रुपये प्रोत्साहन राशि बहनों के खाते में भेजी गई है। उन्होंने कहा कि लाइली बहना योजना से प्रदेश की बहनें अब आत्म-निर्भर बन गई हैं। अब वे मजबूर नहीं, मजबूत हो गई हैं।

प्रमुख घोषणाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भितरवार विधानसभा क्षेत्र में आरोन-पट्टई उद्दहन सिंचाई परियोजना को मंजूरी दी। उन्होंने कहा कि 120 करोड़ रुपए की यह परियोजना क्षेत्र के किसानों का जीवन खुशहाल कर देगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनप्रतिनिधियों की मांग पर घाटीगांव सहित चिनौर और करैया में भी सांघीय विद्यालय खोले जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भितरवार पीपल्स का उन्नयन कर सिविल अस्पताल बनाया जायेगा। घाटीगांव के उप स्वास्थ्य केंद्र का भी उन्नयन करायेगा। भितरवार और घाटीगांव में युवाओं के कौशल विकास के लिए आईटीआई केंद्र की स्थापना करेंगे। घाटीगांव में शबरी माता के भय मंदिर और शबरी धाम निर्माण के लिए भूमि का सर्वे कराया जाएगा। भगवान देवनारायण का भी धाम बनाया जायेगा। संस्कृति विभाग के माध्यम से देवनारायण मंदिर में हर साल सांस्कृतिक आयोजन कराये जायेंगे।



नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका-इजराइल की ईरान से चल रही जंग की वजह से दुनियाभर में कच्चे तेल की कीमतें बढ़कर 100 डॉलर के पार चली गई हैं। इसे काबू में करने के लिए ट्रम्प प्रशासन ने दूसरे देशों को

भी रूस से तेल खरीदने की अस्थाई मंजूरी दे दी है। रूस के कई ऑयल टैंकर समुद्र में फंसे हैं। इससे पहले अमेरिका ने भारत को रूस से कच्चा तेल खरीदने के लिए प्रतिबंधों में ढील देने की बात कही थी।

अब दुनिया के सभी देश रूस से खरीद सकेंगे तेल

अमेरिका ने ईरान युद्ध के कारण दी है 30 दिन की मोहलत • ईरान ने कूड ऑयल 200 डॉलर पहुंचने की चेतावनी दी थी

सिर्फ समुद्र में फंसे जहाजों से तेल खरीदने की मंजूरी-मेरिकी ट्रेजरी विभाग (वित्त मंत्रालय) ने गुरुवार को एक लाइसेंस जारी किया। इसके तहत उन रूसी कच्चे तेल और पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स की डिलीवरी और बिक्री की जा सकती है, जो 12 मार्च की रात 12:00 बजे से पहले जहाजों पर लोड हो चुके थे। यह छूट सिर्फ 11 अप्रैल तक के लिए दी गई है। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने बताया कि इसका मकसद दुनियाभर में तेल की सप्लाई बढ़ाना है, ताकि बढ़ती कीमतों पर लगाम लग सके। अमेरिका के ट्रेजरी मंत्री स्कॉट बेसेंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि राष्ट्रपति ट्रम्प

वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिरता लाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यह एक शॉर्ट-टर्म फैसला है और इससे रूस को कोई बहुत बड़ा आर्थिक फायदा नहीं होगा। बेसेंट के मुताबिक रूस की कमाई का बड़ा हिस्सा तेल निकालने के वक्त लगने वाले टैक्स से आता है, जबकि यह छूट सिर्फ उस तेल के लिए है, जो पहले से ही ट्रांजिट (रास्ते) में है। होर्मुज रुट से सप्लाई टप : ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच जंग से दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्ग स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में सप्लाई टप हो गई है। यहां से दुनिया का करीब 20 फीसदी तेल गुजरता है। भारत जैसे देश अपनी जरूरत का करीब आधा तेल इसी रास्ते से मंगाते हैं।

200 डॉलर पहुंच सकता है कच्चा तेल- पिछले कुछ दिनों में ब्रेट कूड की कीमतें 120 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गई थीं। ईरान ने चेतावनी दी है कि कीमतें 200 डॉलर तक पहुंच सकती हैं। ऐसे में रूसी तेल बाजार में आने से सप्लाई बढ़ेगी, जिससे कीमतों में गिरावट आएगी। जब फरवरी 2022 में रूस ने यूक्रेन पर हमला किया, तो पश्चिमी देशों का मानना था कि युद्ध के लिए पैसा रूस को तेल और गैस बेचकर मिल रहा है। इसी 'फंडिंग' को रोकने के लिए अमेरिका और यूरोप ने रूस से तेल खरीदने पर पाबंदी लगानी शुरू की थी। मिडिल ईस्ट में पनजी सप्लाई और इज़राइल पर हाल ही में हुए हमलों के बाद फिर से ज़्यादा की तेजी आई है।

शकील खान
(फिल्म और कला समीक्षक)

आज दोपहर 1.59 बजे क्या खास होने वाला है ?

बात पुराने जमाने की है, उन दिनों लोगों को भारी सामान को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने में बहुत परेशानी होती थी। हर सवाल का एक जवाब होता है और हर परेशानी का एक हल। सो इस परेशानी का हल भी निकलना था, निकला और साल्लूशन के रूप में घोड़ागाड़ीनुमा एक चीज बनाई गई, जिसमें गोल पहिए लगे थे। पहिए बन गए, गाड़ी में लगा भी दिए गए, किन ये पूरी तरह गोल नहीं थे। सो गाड़ी हिचकोले खाने लगी। अंततः एक परफेक्ट गोल पहिया बना लिया गया। लेकिन मुश्किल उसे गोल आकार में ढालना था। खासी मशकत के बाद पहिया सही गोल आकार में ढल सका। इसे संभव बनाया एक मिस्ट्री नंबर ने। यह मिस्ट्री नंबर क्या है और इसका 14 मार्च दोपहर 1.59 से क्या संबंध है?

पहिए ने हमारी जिंदगी को बहुत आसान बनाया है। बड़े से बड़े सामान को जब व्हील का सहारा मिलता है, तो उसे मूव करना आसान हो जाता है। पहले भारी सामान को इधर से उधर करना या उसके साथ सफर करना बहुत मुश्किल हुआ करता था। व्हील ने इसे आसान बना दिया है। लेकिन व्हील ठीक से गोलाकार नहीं है तब उसे चलाना या ढकेलना बहुत मुश्किल होता है। एक उदाहरण के लिए व्हील अगर अच्छे नहीं हूए तो सूटकेस को धकेलना मुश्किल हो जाता है। यानी सही चलने के लिए व्हील को आकार में सही और सटीक होना बहुत जरूरी है।

उलझन सुलझाने के प्रयास किए गए और अंततः एक परफेक्ट गोल पहिया बना लिया गया। अच्छी खासी मशकत करनी पड़ी तब जाकर गोल पहिया बना और 22/7 अनुपात वाला मेजरमेंट सामने आया। इसे 'पाई' के नाम से पुकारा गया और इसे मिस्ट्री नंबर का खिताब भी दिया गया। इस तरह 'पाई' की गणित में एंट्री हुई साथ ही हमारी जिंदगी में भी।

आपको स्कूल की याद है। परकार में पेंसिल लगाकर हम उसे लाईन के ठीक सेंटर में रखकर उसे घुमाते थे और सर्किल बनाया करते थे एक बार फिर उसे दोहराएं, सात सेंटीमीटर की एक लाइन खींचकर इसके चारों तरफ एक परफेक्ट गोलाकार सर्किल बनाएं। सात सेंटीमीटर की जो ये लाइन खींची है उसे डायमीटर (डी) या व्यास कहते हैं। इस सर्किल की गोलाई को परिधि यानी सरकमफ्रेंस (सी) कहते हैं। परिधि को नापें तो पाएंगे कि यह 22 सेंटीमीटर की है। इनका अनुपात हुआ 22 बटा 7। सर्किल आप चाहे जितना छोटा बनाएं या जितना भी बड़ा, सरकमफ्रेंस और डायमीटर का अनुपात हमेशा समान ही रहेगा - 22/7 ही रहेगा। इस अनुपात को ही 'पाई' (P) से दर्शाया जाता है। पाई का मान हमेशा कांस्टेंट रहता है। अगर डायमीटर 14 सेंटीमीटर कर दें तो सरकमफ्रेंस 44 सेंटीमीटर की ही निकलेगा। और अनुपात होगा 44/14 अर्थात् 22/7। कोई भी नाप लें पाई अनुपात हमेशा समान ही रहेगा। पाई (P) शब्द आया कहाँ से? यह ग्रीक अल्फाबेट का सोलहवाँ

अक्षर है, दिलचस्प है कि पाई का पहला शब्द 'पी' भी अंग्रेजी वर्णमाला का सोलहवाँ अक्षर ही है। अहम सवाल 'पाई' को मिस्ट्री नंबर क्यों कहा जाता है। असल में पाई का सही मान आज तक निकाला ही नहीं जा सका है। पाई बराबर 22/7 होता है यह हम जानते हैं लेकिन पाई का यह मान '22/7 = 3.14159' पूरी तरह एक्यूरेट नहीं है। जब हम 22 को 7 से डिवाइड करेंगे तो 3.1428571429 आएगा। लेकिन बता दें कि 3.14159 सर्वत्र मान्य है। पाई चूँकि अपरिमेय यानि इररेशनल नंबर है इसलिए ऐसा होता है।

बहरहाल, पाई की वैल्यू हमारे लिए बहुत उपयोगी है खासतौर पर स्पेश मिशन के लिए तो बहुत ही ज्यादा। इसीलिए पाई नासा जैसी संस्थाओं के लिए एक महत्वपूर्ण नंबर है। नासा इसकी केवल 40 डिजिट का ही इस्तेमाल करता है। इसकी एक्यूरेट वैल्यू और एप्लिक्सीमेंट वैल्यू में माइक्रोमिलियन का अंतर रहता है, ये एर इतनी कम कि इसे आसानी से इग्नोर किया जा सकता है, किया जा भी रहा है।

ये भी बता दें, इसकी परफेक्ट वैल्यू निकालने में अनेक गणितज्ञों ने अपनी पूरी जिंदगी लगा दी ट्रिलियंस ऑफ डिजिट के केलकुलेशन के बाद सुपर कम्प्यूटर ने भी इसके आगे घुटने टेक दिए। इस कोशिश का अलग प्रतिफल यह निकला कि सुपर कम्प्यूटर की केलकुलेशन ने ये बता दिया कि जो कम्प्यूटर जितना ज्यादा पाई की वैल्यू निकालेगा, जितनी ज्यादा डिजिट तक वैल्यू निकालेगा उस कम्प्यूटर की कम्प्यूटिंग

पाँवर उतनी अधिक मानी जाएगी। इस तरह पाई का मान निकलवाकर कम्प्यूटर की कम्प्यूटिंग आँकात नापने का जरिया तो खोज लिया ही गया है।

पाई डे 14 मार्च को मनाया जाता है जो भी ठीक दोपहर 1.59 बजे। तमाम तरह के दिन एक खास दिनांक को मनाए जाते हैं ये तो हमें पता है लेकिन एक तारीख विशेष पर खास समय पर कोई दिन मनाया जाए ये पाई डे के साथ ही होता है। जानना दिलचस्प होगा कि 14 मार्च और 1.59 का पाई डे से क्या संबंध है।

पाई डे के साथ एक दिलचस्प संयोग भी जुड़ा है। 14 मार्च यानि पाई डे से दो महान वैज्ञानिक रिलेटेड हैं। नोबेल पुरस्कार विजेता अल्बर्ट आइंस्टाइन और कुछ बरस पहले दुनिया से विदा हुए स्टीफन विलियम हॉकिंग। संयोग से दोनों में से एक का जन्म और दूसरे का मृत्यु दिनांक एक ही है। आइंस्टाइन का बर्थडे 14 मार्च (1879) को और स्टीफन हॉकिंग ने 14 मार्च (2018) को इस फानी दुनिया को अलविदा कहा।

लेकिन जरूरी सवाल का जवाब अभी बाकी है। पाई डे 14 मार्च को दोपहर एक बजकर उनसठ मिनट (1.59) बजे क्यों मनाया जाता है? इसका रहस्य पाई की वैल्यू में छिपा हुआ है। पाई की वैल्यू है - 3.14159। यहाँ तीन यानि तीसरा महीना मार्च को रिप्रेजेंट करता है। दशमलव के बाद है 14 इससे बनी तारीख। बचा 159 इससे बना समय 1 बजकर 59 मिनट और इस तरह बन गया 'पाई डे'।

संक्षिप्त समाचार

राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस को सता रहा हॉर्स ट्रेडिंग का डर

● ओडिशा से 8 विधायक बेंगलुरु भेजे हरियाणा में लंच पर बुलाया

भुवनेश्वर (एजेंसी)। राज्यसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को हॉर्स ट्रेडिंग का डर सता रहा है। इसके चलते उसने ओडिशा और हरियाणा में अपने सभी विधायकों को बचाने के लिए रिजॉर्ट में रखने का फैसला किया है। ओडिशा कांग्रेस के 8 विधायकों को बेंगलुरु भेजा गया है। जो दक्षिण बेंगलुरु के वंडरला रिजॉर्ट में ठहरे हैं। 16 विधायक विधानसभा के बजट सत्र में



शामिल होने के लिए भुवनेश्वर में ही मौजूद हैं। शनिवार सुबह तक चार और एमएलए बेंगलुरु पहुंच सकते हैं। इससे पहले चीफ व्हाइस चांसलर एमके शर्मा 6 विधायक गुरुवार रात परिवार समेत बेंगलुरु पहुंच गए हैं। उधर, हरियाणा में 2 राज्यसभा सीटें खाली हो रही हैं। वंडीगढ़ में नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने विधायकों को लंच पर बुलाया गया। इन विधायकों को 5 जोड़ी कपड़े साथ लाने कहा गया है।

बिहार में निशांत को सीएम बनाने की उठ रही है मांग

● नीतिश के करीबी मंत्री ने खोल दिया सबसे बड़ा पता

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार के मंत्री श्रवण कुमार ने जदयू नेता निशांत कुमार के सीएम बनने की अटकलों के बारे में कहा कि राज्य का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, इसका फैसला एनडीए का शीर्ष नेतृत्व तय करेगा। पटना में मीडिया से मंत्री श्रवण कुमार ने स्पष्ट किया कि अभी मुख्यमंत्री पद को लेकर कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है और इस पर आखिरी फैसला एनडीए के वरिष्ठ नेता तय करेंगे। मंत्री श्रवण कुमार का



यह बयान उस वक्त आया है जब सीएम नीतिश कुमार के राज्यसभा जाने के फैसले के बाद उनके बेटे की जदयू में एंट्री हुई है और बिहार में अगला सीएम उठे बनाने की मांग चल रही है। जदयू के कई विधायक निशांत कुमार को सीएम बनाने की मांग कर रहे हैं। मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि निशांत कुमार को सीएम बनाने की मांग स्वाभाविक है। उनके समर्थक चाहते हैं कि वे सीएम बनें, वे अपनी बात रख रहे हैं, लेकिन सीएम बनने को लेकर फैसले एनडीए के बड़े नेता करेंगे। जाहिर है कि श्रवण कुमार ने कार्यकर्ताओं और जेडीयू के कुछ नेताओं के बहाने निशांत कुमार के सीएम बनाने की डिमांड पर एक तरह से मुहर लगा दी है।

भारत में बन रहे हैं 6,600 मेगावाट के परमाणु संयंत्र

● वर्ष 2031-32 तक बदल जाएगी देश की ऊर्जा सूरत

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिजली मंत्री मनोहर लाल ने गुरुवार को लोकसभा को बताया कि देश में लगभग 6,600 मेगावाट की परमाणु ऊर्जा क्षमता के संयंत्र निर्माणाधीन हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 12,723.50 मेगावाट की जलविद्युत परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। 14,274 मेगावाट की जलविद्युत परियोजनाएं योजनाओं के विभिन्न चरणों में हैं और 2031-32 तक पूरा होने का लक्ष्य है। मनोहर लाल ने लिखित उत्तर में कहा कि 6,600 मेगावाट क्षमता के परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का निर्माण 2029-30 तक पूरा होने का लक्ष्य है। सात हजार मेगावाट क्षमता के अन्य परमाणु संयंत्र योजना और अनुमोदन के विभिन्न चरणों में हैं। भारत की वर्तमान परमाणु क्षमता 8,780 मेगावाट से अधिक है। 11,620 मेगावाट/69,720 मेगावाट-घंटे की पंप स्टोरेज परियोजनाएं (पीएसपी) निर्माणाधीन हैं। 16,580 मेगावाट/39,480 मेगावाट-घंटे की क्षमता वाली पीएचपी को मंजूरी मिल चुकी है। 19,653.94 मेगावाट/26,729.32 मेगावाट-घंटे की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएस) का निर्माण कार्य चल रहा है।

पीरियड्स में पेड़ लीव की याचिका सुप्रीम कोर्ट ने कर दी खारिज

● सीजेआई बोले-कानून बनाया तो महिलाओं को कोई काम नहीं देगा, उनका करियर खत्म हो जाएगा



नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को देशभर में महिला छात्रों और कामकाजी महिलाओं को पीरियड्स में पेड़ लीव देने की मांग वाली याचिका खारिज हो गई। सीजेआई सुर्यकांत ने कहा कि ऐसी याचिकाएं अनजाने में महिलाओं के बारे में बनी रूढ़ियों को और मजबूत कर सकती हैं। यह कानून बनाया तो महिलाओं

को कोई काम नहीं देगा, उनका करियर खत्म हो जाएगा। सीजेआई ने कहा- ये याचिकाएं डर पैदा करने के लिए, महिलाओं को हीन दिखाने के लिए, यह जानने के लिए दावर की जाती हैं कि पीरियड्स उनके साथ होने वाली कोई बुरी चीज है। यह उनका पॉजिटिव राइट है, लेकिन उस नियोजता के बारे में सोचिए, जिसे पेड़ लीव देनी होगी। सीजेआई सुर्यकांत और जस्टिस जॉयन्त्या बागची की बेंच ने सुनवाई के दौरान मेस्ट्रुअल लीव को अनिवार्य बनाने के संभावित सामाजिक परिणामों के बारे में चिंता जाहिर की। कोर्ट ने याचिकाकर्ता के अधिकार क्षेत्र पर भी सवाल उठाया और कहा कि इस मामले को लेकर खुद कोई महिला कोर्ट में नहीं आई है।

देश भर में सिलेंडर के लिए संग्राम

● पंजाब में सिलेंडर लेकर सड़क पर भागते दिखी जनता ● 2 हजार का कॉमर्शियल सिलेंडर 4 हजार में बिक रहा



नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका-इजरायल की ईरान से जंग की वजह से देशभर में एलपीजी की किल्लत हो गई है। गैस एजेंसियों के बाहर लम्बी लाइनें हैं। गैस सिलेंडर की कालाबाजारी और जमाखोरी भी हो रही है। कई जगहों पर 2 हजार का कॉमर्शियल सिलेंडर 4 हजार में बिक रहा है। वहीं पंजाब में लोग सिलेंडर लेकर भागते नजर आए। केरल में करीब 40 फीसदी रेस्टोरेंट बंद होने की कगार पर है। उधर, दिल्ली में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एलपीजी सिलेंडर की बिगड़ी स्थिति को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। विरोध जताने के लिए मिट्टी के चूल्हे लेकर आए थे।

एमपी की ऑनलाइन बुकिंग टप, वेटिंग 7-8 दिन बढ़ी मध्य प्रदेश में एलपीजी सिलेंडर की ऑनलाइन बुकिंग लगभग टप है। सर्वर डाउन होने से भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन, जबलपुर समेत पूरे प्रदेश में लोग सिलेंडर की बुकिंग नहीं कर पा रहे हैं। वेटिंग 7 से 8 दिन तक पहुंच गई है। गैस एजेंसियों में लोगों की भीड़ लगी हुई है। इधर गैस की किल्लत के बीच इंडवशन की कीमतें दोगुनी हो गई हैं। भोपाल में इसकी बिक्री 7 गुना तक बढ़ गई है। वहीं 50 हजार होटल-रेस्टोरेंट में गैस खत्म होने के कगार पर है।

● राजस्थान में गैस सप्लाई टप, सिलेंडर की शवयात्रा निकाली - होटल-रेस्टोरेंट में गैस का स्टॉक खत्म होने से बिजनेस टप होने लगे हैं। कई जगह ताले भी लटकने लगे हैं। वहीं कोटा समेत कई शहरों में होस्टल में गैस और ढाबों में मजबूरी में लकड़ी, कोयले और इलेक्ट्रिक चूल्हों पर खाना बनाया जा रहा है। कई शहरों में एजेंसियों पर सुबह 5 बजे से ही लंबी लाइनें लग रही हैं और सिलेंडर न मिलने पर लोगों की पुलिस से झड़प तक हो रही है। इस संकट के बीच सिलेंडर की कालाबाजारी भी हो रही है, जिसके विरोध में कांग्रेस ने जयपुर में सिलेंडर की शवयात्रा निकाली।



● उत्तर प्रदेश में चूड़ी से लेकर पेटा फैक्ट्रियों तक बंद - यूपी में फैक्ट्रियों को गैस सप्लाई नहीं हो रही है। इसका असर पॉटरी, चूड़ी से लेकर पेटा फैक्ट्रियों तक पड़ रहा। बुलंदशहर में एशिया के सबसे बड़े पॉटरी उद्योग पर पड़ा है। यहाँ 300-325 यूनिट में से 95 फीसदी पॉटरी यूनिट बंद हैं। 130 हजार से ज्यादा वर्कर्स बेरोजगार हो गए हैं। यही हाल फिरोजाबाद में बनने वाली चूड़ियों और आगरा की पेटा फैक्ट्रियों का है। गैस की सप्लाई नहीं मिलने से भटिठिया बंद हैं। 155 बड़ी फैक्ट्रियों में से 40 बंद हो चुकी हैं।

महाराष्ट्र में हर जिले में बनेगा कंट्रोल रूम और कमेटी

राज्य में एलपीजी की बिना रकवाट सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तर पर कंट्रोल रूम और कमेटीयों का गठन किया है। खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने अधिकारियों को गैस वितरण व्यवस्था पर पैनी नजर रखने को कहा है। वहीं कई ग्राहकों ने ऑनलाइन और फोन पर सिलेंडर बुक किए हैं, लेकिन उन्हें समय पर डिलीवरी नहीं मिल रही है।

तेहरान में अलविदा जुमा पर हुआ जबरदस्त धमाका

● इजरायल के खिलाफ जुटे थे हजारों, मच गई अफरातफरी



तेहरान (एजेंसी)। ईरान की राजधानी तेहरान में चल रहे विरोध प्रदर्शन के बीच धमाका हुआ है। यह ब्लास्ट उस वक्त हुआ, जब तेहरान के फिरदौसी चौक पर हजारों लोग ईरान और अमेरिका के खिलाफ प्रदर्शन करने जुटे थे। आज इंद से पहले का आखिरी जुमा है, जिसे

अलविदा जुमा कहा जाता है। इस कारण भी प्रदर्शन में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। इस दौरान जब धमाका हुआ तो दहशत फैल गई और लोग मौके से भागते नजर आए। इस धमाके के पीछे ईरानी एजेंसियों को इजरायल का हाथ होने का शक है। अब तक धमाके की वजह सामने नहीं आई है, लेकिन इजरायल ने हमलों की चेतावनी दी थी। ऐसे में माना जा रहा है कि यह धमाका भी इजरायल ने ही किया है। यह धमाका ऐसे वक्त में हुआ, जब ईरान में अलविदा जुमा मनाया जा रहा है। इंद से पहले के आखिरी जुमा के दिन खूब भीड़ जुटी थी।

क्रॉस वोटिंग या फिर 'दक्षिणा' के भरोसे हैं उपेंद्र कुशवाहा

● बिहार में होगा खेला, अब भी तस्वीर नजर आ रही धुंधली

पटना (एजेंसी)। बिहार से राज्यसभा की पांच सीटों के लिए 16 मार्च को चुनाव होगा। चूँकि पांच सीटों पर छह उम्मीदवार हैं इसलिए मतदान होगा। मतदान होगा तो एनडीए के पांचवें उम्मीदवार के लिए 3 वोट कम पड़ जायेंगे। एनडीए का यह पांचवां उम्मीदवार तभी जीतेगा जब 3 विधायक क्रॉस वोटिंग करें या फिर पांच या इससे अधिक विधायक मतदान में गैरहाजिर हो जाएं। छठे उम्मीदवार राजद के अमरेन्द्रधारी सिंह तभी जीत सकते हैं जब एआईएमआईएम के पांच और बसपा के एक विधायक उन्हें वोट दें। इसकी तस्वीर अभी साफ नहीं है। इसलिए मतदान के दिन इधर से उधर होने की संभावना है।



● भोज-भात का दौर और 'दक्षिणा' - अभी राज्यसभा चुनाव को लेकर पटना में गुरुवार से ही भोज-भात दौर चल रहा है। 14 मार्च को उपेंद्र कुशवाहा के आवास पर भोजन का प्रबंध है। इसके बाद 15 मार्च को संसदीय कार्यमंत्री विजय कुमार चौधरी के यहां भोज है। डिनर डिलीमेंसी में बहुत कुछ तय होता है। अगर एनडीए की तरफ से भोजन के साथ-साथ कल्याण करने वाले पुरोहितों को 'उत्तम दक्षिणा' देने की भी प्रबंध हो जाते तो पांचवां प्रत्याशी जरूर 'भवसागर' पार कर जाएगा। अब पहले वाला जमाना नहीं रहा। विधायकों कुर्बान कर भी कल्याण करने वालों की कमी नहीं है। 2010 में राजद और कांग्रेस के विधायक पार्टी लाइन को दरकिनार करते हुए वोटिंग कर चुके हैं।

मुसलमानों के लिए नहीं है जैसे स्लोगन लिखे थे। कोर्ट के आदेश पर शुक्रवार को तीनों को जेल भेज दिया गया। गिरफ्तारी के बाद एक युवती ने कहा कि वे सनातन के लिए एक बार नहीं, बल्कि 10 बार भी जेल जाने को तैयार हैं। तीनों आरोपी देहरादून के रहने वाले हैं और खुद को हिंदू रक्षा दल का कार्यकर्ता बताते हैं। उधर, हिंदू रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पिंकी चौधरी ने भी मामले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि ये नारे उनकी महिला कार्यकर्ताओं ने लिखे थे। पूरा मामला सहारनपुर के बिहारगढ़ थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, 26 फरवरी की दर शाम तीनों आरोपी नेशनल हाईवे-72ए (एलिवेटेड रोड) पर पहुंचे। वहां उन्होंने सड़क किनारे बने सीमेंटेड ब्लॉक और शेड पर स्प्रे पेंट से नारे लिखना शुरू कर दिया।

एलपीजी संकट पर लोकसभा में विपक्ष ने की नारेबाजी

विपक्ष ने दोनों सदनों में मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने का नोटिस दिया



नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में शुक्रवार को प्रश्नकाल की शुरुआत के साथ ही विपक्ष ने हंगामा किया। राहुल गांधी समेत विपक्षी सांसदों ने 8 निबलित सांसदों की वापसी की मांग की। इस पर स्पीकर ओम बिरला ने कहा - सदन की मेजों पर चढ़ोगे तो यही ऐवशन होगा। संसद की प्रतिष्ठा बनाने की जिम्मेदारी सभी की है। इसके बाद लोकसभा पहले 12 बजे तक और दूसरी बार 2 बजे तक स्थगित कर दी गई। 12 बजे शुरू हुई कार्यवाही भी केवल 1 घंटा चली। इसके बाद लोकसभा को 16 मार्च तक के लिए स्थगित कर दिया गया। इस दौरान विपक्ष लगातार हंगामा करता रहा। पीएम मोदी के खिलाफ नारेबाजी की। इससे पहले विपक्षी दलों ने संसद परिसर में प्लेकार्ड दिखाकर एलपीजी संकट पर प्रदर्शन किया। राज्यसभा भी कल तक के लिए स्थगित की गई है।

भोपाल जल अभावग्रस्त घोषित प्राइवेट ट्यूबवेल खनन पर रोक

बिना अनुमति बोरिंग पर एफआईआर और 2 साल तक सजा ; बोरवेल मशीनें भी नहीं गुजर सकेंगी

भोपाल (नप्र)। भोपाल जिले को जल अभावग्रस्त घोषित कर दिया गया है। इसके साथ ही पूरे जिले में निजी ट्यूबवेल और बोरवेल खनन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। यह आदेश कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रमसिंह ने शुक्रवार को जारी किए, जो तुरंत लागू हो गए हैं। आदेश के उल्लंघन पर एफआईआर दर्ज होने के साथ दो साल तक की सजा का प्रावधान है।

कलेक्टर के आदेश के मुताबिक जिले में अब बिना अनुमति ट्यूबवेल या नलकूप खनन नहीं किया जा सकेगा। यदि कोई व्यक्ति अवैध रूप से बोरिंग कराता है या मशीन जिले में प्रवेश करती है, तो संबंधित एसडीएम और पुलिस अधिकारी मशीन जब्त कर एफआईआर दर्ज करवा सकेंगे। आदेश का उल्लंघन करने पर दो हजार रुपए जुर्माना, दो साल की सजा या दोनों हो सकते हैं। साथ ही बोरवेल मशीनों के जिले से गुजरने पर भी रोक लगा दी गई है।

तेज गर्मी और गिरते भूजल स्तर को देखते हुए इस बार यह प्रतिबंध पहले ही लागू कर दिया गया है। पिछले साल यह आदेश 7 अक्टूबर को जारी किया गया था, जबकि इस बार करीब 25 दिन पहले ही इसे लागू कर दिया



गया है। यह आदेश 30 जून तक प्रभावी रहेगा। शासकीय योजनाओं पर रोक नहीं- कलेक्टर के आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह प्रतिबंध केवल निजी नलकूपों पर लागू होगा। शासकीय योजनाओं के तहत किए जा

रहे नलकूप खनन कार्यों पर यह रोक लागू नहीं होगी। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) द्वारा संचालित कार्यों के लिए किसी विशेष अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी।

पेयजल संकट से बचाव के लिए फैसला

जिले में कृषि और व्यावसायिक गतिविधियों के लिए भूजल का अत्यधिक दोहन हो रहा है, जिससे जल स्तर तेजी से गिर रहा है। आने वाले ग्रीष्मकाल में संभावित पेयजल संकट को देखते हुए प्रशासन ने यह सख्त कदम उठाया है। अधिकारियों के अनुसार यदि निजी नलकूप खनन पर रोक नहीं लगाई जाती तो आने वाले महीने में गंभीर जल संकट की स्थिति बन सकती है।

इस कानून के तहत आदेश

कलेक्टर ने आदेश में बताया कि मप्र ड्रिफ्टिंग वॉटर कंजर्वेशन एक्ट 1986 और इसके 2002 संशोधन के तहत यह कार्रवाई की गई है। अधिनियम की धारा 3 के तहत भोपाल जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों को जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित किया गया है। वहीं धारा 6(1) के अंतर्गत पूरे जिले में निजी और अशासकीय नलकूप खनन पर तत्काल प्रतिबंध लगाया गया है।

भोपाल नगर निगम की कम्प्यूटर शाखा में छापा

संबल योजना और ऑनलाइन रिकॉर्ड की जांच, लोकायुक्त की टीम कर रही पूछताछ

भोपाल (नप्र)। भोपाल नगर निगम की कम्प्यूटर शाखा पर शुक्रवार को लोकायुक्त की टीम ने छापा मारा। कार्रवाई फतेहाद स्थित कार्यालय और लिंक रोड नंबर-2 पर बने मुख्य कार्यालय में एक साथ की गई। लोकायुक्त एसपी दुर्गा श राठौर और डीएसपी अजय मिश्रा टीम के साथ मौके पर मौजूद रहे।

लोकायुक्त की दो अलग-अलग टीमों दोनों कार्यालयों में जांच कर रही हैं। कम्प्यूटर शाखा में नगर निगम से जुड़े महत्वपूर्ण ऑनलाइन रिकॉर्ड और लेखा-जोखा रखा जाता है, इसलिए दस्तावेजों की बारीकी से जांच की जा रही है।

संबल योजना के दस्तावेज खंगाले

टीम ने संबल योजना से जुड़े रिकॉर्ड और ऑनलाइन एप्ली की जांच शुरू की है। इसके साथ ही अन्य डिजिटल

रिकॉर्ड में संभावित गड़बड़ियों की भी पड़ताल की जा रही है। फतेहाद स्थित कार्यालय में मौजूद तीन कर्मचारियों वसीम, सोहेल और पंकज से अंदर पूछताछ की जा रही है। टीम ने सुबह करीब 11:30 बजे दोनों स्थानों पर एक साथ छापे की कार्रवाई शुरू की।

22 फरवरी को नए भवन में हुई थी शिफ्टिंग-फतेहाद में स्थित नगर निगम की कम्प्यूटर शाखा को 22 फरवरी को लिंक रोड नंबर-2 पर बने नए भवन में शिफ्ट किया गया था। रेड के दौरान दोनों इमारतों में रखे दस्तावेजों की जांच की जा रही है।

कम्प्यूटर शाखा में होते हैं ये ऑनलाइन कार्य-नगर निगम की कम्प्यूटर शाखा में संबल योजना, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, प्रॉपर्टी टैक्स और अन्य ऑनलाइन सेवाओं से जुड़े काम संचालित होते हैं। लोकायुक्त टीम इनसे संबंधित रिकॉर्ड की जांच कर रही है।

दस साल पुराने रिकॉर्ड को जब्त किया जा रहा

इस दौरान पिछले करीब 10 साल के रिकॉर्ड और दस्तावेजों की जांच की जा रही है। लोकायुक्त पुलिस इस मामले में नगर निगम के दो ऑफिस बॉय और एक ऑपरटर से पूछताछ कर रही है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक फर्जी बिल लगाकर भुगतान कराने का मामला से जुड़ी शिकायत के बाद कार्रवाई की गई है। लोकायुक्त की टीम पुराने दस्तावेजों और भुगतान से जुड़ी फाइलों की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले की स्पष्ट जानकारी सामने आ पाएगी। फिलहाल लोकायुक्त की कार्रवाई जारी है। संबल योजना और कर्मकार मंडल के तहत 2023 में 2 करोड़ से अधिक के फर्जीवाड़े मामले से जुड़े रिकॉर्ड लोकायुक्त की टीम खंगाल रही है।

बस ने बाइक सवार दंपति को टक्कर मारी

दस फीट दूर झाड़ियों में गिरे पति-पत्नी, दोनों की मौत

भोपाल (नप्र)। बैरसिया इलाके में गुरुवार सुबह तेज रफ्तार बस ने बाइक सवार दंपति को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पति और पत्नी करीब दस फीट दूर सड़क किनारे झाड़ियों में जा गिरे। इससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। दोनों ही शव पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिए गए हैं।



टीआई वीरेंद्र सेन के मुताबिक ग्राम मनीखेड़ी गुनगा में रहने वाले मोहन सिंह रेकरवार खेती करते थे। वह आज सुबह करीब 11 बजे अपनी पत्नी उमा बाई के साथ बाइक पर सवार होकर मनीखेड़ी से ग्राम नंदगांव रिसतेदरों के घर जा रहे थे। तभी तरावली जोड़ के पास उनकी बाइक को तेज रफ्तार बस ने जोरदार टक्कर मार दी। हदसे में पति-पत्नी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

आरोपी चालक हादसे के बाद फरार

हादसे के बाद बस का चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक पति-पत्नी का शव बरामद कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही पुलिस ने बस को जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

मुख्यमंत्री ने श्रीमती पारस कुंवर बाई पटवा के निधन पर जताया शोक

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोजपुर विधायक श्री सुरेंद्र पटवा की पूज्य माताजी श्रीमती पारस कुंवर बाई पटवा के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देवादिदेव महादेव से पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देने एवं शोकाकुल परिजन को इस असीम दुःख की घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की है।

ईरान के समर्थन में सामने आया मुस्लिम समाज

खामेनेई को श्रद्धांजलि देने काली पट्टी बांधकर पढ़ेंगे ईद की नमाज

भोपाल (नप्र)। अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम को लेकर शहर में मुस्लिम समाज के बीच नाराजगी देखने को मिल रही है। जुमे की नमाज के बाद मुस्लिम संगठनों ने ईरान के समर्थन और इजराइल के विरोध में आवाज उठाते हुए इस बार ईद सादगी से मनाने की अपील की है। समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि मौजूदा हालात में खुशी के दिखावे से बचते हुए लोगों को सादगी के साथ त्योहार मनाना चाहिए।

ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी से जुड़े पदाधिकारियों के अनुसार ईरान के सर्वोच्च धर्मगुरु अयातुल्लाह खामेनेई की मौत को लेकर समाज में गहरा आक्रोश है। उनके सम्मान में ईद की नमाज के दौरान लोगों से बाजू पर काली पट्टी बांधकर श्रद्धांजलि देने की अपील की गई है।

जुमे की नमाज के बाद समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि दुनिया के कई हिस्सों में अस्थिरता का माहौल बना हुआ है। उनका आरोप है कि अमेरिका और इजराइल की नीतियों के कारण कई देशों में संघर्ष की स्थिति बनी है। इसी के विरोध में समाज



के लोगों से ईद के दिन सादगी से त्योहार मनाने का आग्रह किया गया है।

ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के संरक्षक शमशुल हसन ने कहा कि दुनिया के कई हिस्सों में मासूम लोगों की मौत हुई है, इसलिए इस बार ईद को बेहद सादगी से मनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ईद की नमाज के लिए जाते समय लोग अपने हाथ पर काली पट्टी बांधकर जाएं। उनके अनुसार यह अयातुल्लाह खामेनेई को सच्ची श्रद्धांजलि होगी और शांति व ईसाफ की मांग का प्रतीक भी बनेगा।

कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनस खान ने कहा कि संवैधानिक तरीके से विरोध दर्ज कराना हर नागरिक का अधिकार है। उन्होंने कहा कि दुनिया में राजनीतिक आतंकवाद का एक नया स्वरूप सामने आया है, जिसमें शक्तिशाली देश अपने हितों के लिए कमजोर देशों पर दबाव बनाते हैं। उन्होंने देश के मुसलमानों से अपील की कि ईद की नमाज के दौरान काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्ण तरीके से अपना विरोध दर्ज कराएं और अमन बनाएं रखें।



प्रदेश में मार्च में ही 'हीट अटैक'

10 शहरों में पारा 38 डिग्री तो नर्मदापुरम में 40 डिग्री के पार ; दो दिन बाद बारिश-आंधी का अलर्ट

भोपाल (नप्र)। मार्च के दूसरे हफ्ते में ही मध्य प्रदेश में गर्मी तीखे तेवर दिखा रही है। गुरुवार को सोजन में पहली बार नर्मदापुरम, रतलाम और धार में गर्म हवाएं चलीं। शुक्रवार को भी यही स्थिति थी।

वहीं 10 शहरों में पारा 38 डिग्री के पार पहुंच गया। नर्मदापुरम में 40.2 डिग्री रहा। 15 और 16 मार्च को प्रदेश में बारिश, बादल और गरज-चमक वाला मौसम रह सकता है। मौसम विभाग ने 14 मार्च को एक्टिव होने वाले वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी

विशोभ) की वजह से दो दिन तक अलर्ट जारी किया है। 15 मार्च को प्रदेश में असर दिखाई देगा। इस दिन ग्वालियर-जबलपुर समेत 16 जिलों में बारिश हो सकती है। वहीं, 16 मार्च को पूर्वी हिस्से के 14 जिलों में भी मौसम बदला रहेगा।

इससे पहले पूरे प्रदेश में तेज गर्मी का असर रहेगा। बुधवार को तीन जिलों में लू चलने के साथ पारे में भी खासी बढ़ोतरी देखने को मिली। धार, नर्मदापुरम और रतलाम में पारा आम दिनों की तुलना में ज्यादा रहा। यहां पर गर्म हवाएं भी चलीं।

भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर में भी पारा बढ़ा हुआ रहा।

मौसम विभाग के अनुसार, नर्मदापुरम सबसे गर्म रहा। रतलाम में 39.5 डिग्री, खजुराहो में 39 डिग्री, धार में 38.8 डिग्री, दमोह-टीकमगढ़ में 38.5 डिग्री, खंडवा में 38.1 डिग्री, मंडला, सयोर-खरगोन में पारा 38 डिग्री दर्ज किया गया। प्रदेश के 5 बड़े शहरों की बात करें तो इंदौर में सबसे ज्यादा 37.8 डिग्री, उज्जैन में 37.5 डिग्री, ग्वालियर में 37.2 डिग्री, भोपाल में 37 डिग्री और जबलपुर में 36.9 डिग्री सेल्सियस रहा।

आज जीएमसी में विशेष स्क्रीनिंग

बदलता चश्मे का नंबर, आंखों में खुजली-आंसू और सिरदर्द कालापानी का संकेत, 70 प्रतिशत में देरी अंधेपन की वजह

भोपाल (नप्र)। क्या आपके चश्मे का नंबर बार-बार बदल रहा है, आंखों में खुजली और आंसू आते हैं तथा सिरदर्द भी बना रहता है? डॉक्टरों के अनुसार ये लक्षण कालापानी यानी ग्लूकोमा के हो सकते हैं। यह एक साइलेंट रोग है, जिसमें शुरुआत में कोई खास लक्षण दिखाई नहीं देते और मरीज को तब पता चलता है जब आंखों की रोशनी गंभीर रूप से प्रभावित हो चुकी होती है।

विशेषज्ञ बताते हैं कि उनके पास आने वाले करीब 75 प्रतिशत मरीज ऐसे होते हैं, जिनकी एक आंख की रोशनी लगभग जा चुकी होती है। इस खतरे को देखते हुए 14 मार्च को गांधी मेडिकल कॉलेज में 40 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए विशेष स्क्रीनिंग शिविर लगाया जाएगा।



साइलेंट रोग है ग्लूकोमा

डॉक्टरों के अनुसार ग्लूकोमा को साइलेंट रोग कहा जाता है, क्योंकि इसकी शुरुआत में कोई स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते। जब मरीज अस्पताल पहुंचता है तब तक अक्सर एक आंख की रोशनी काफी हद तक जा चुकी होती है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह रोग इसलिए भी खतरनाक है क्योंकि इसमें एक बार चली गई आंखों की रोशनी दोबारा वापस नहीं लाई जा सकती। ऐसे में समय पर जांच ही इससे बचाव का सबसे बड़ा उपाय है।

14 मार्च को लगेगा विशेष जांच शिविर

भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) के नेत्र रोग विभाग द्वारा 14 मार्च को ग्लूकोमा और डायबिटिक रेटिनोपैथी की जांच के लिए विशेष स्क्रीनिंग कैम्प आयोजित किया जाएगा। यह शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक नेत्र रोग विभाग में लगेगा। इसमें आने वाले लोगों की आंखों की निःशुल्क जांच की जाएगी, ताकि इन गंभीर बीमारियों की शुरुआती अवस्था में पहचान कर समय पर इलाज शुरू किया जा सके। यह शिविर खासतौर पर 40 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए आयोजित किया जा रहा है, क्योंकि इस उम्र के बाद ग्लूकोमा और डायबिटिक रेटिनोपैथी का खतरा बढ़ जाता है। शिविर का आयोजन साइटसेसर्स इंडिया के सहयोग से किया जा रहा है।

नई शिक्षा व्यवस्था से विद्यार्थियों को मिलेगा बहु-विषयक ज्ञान: एसीएस श्री राजन

विकसित भारत @ 2047 को लेकर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का किया शुभारंभ

भोपाल (नप्र)। शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय, भोपाल द्वारा विकसित भारत @ 2047: संस्कृति, ज्ञान तथा सततता पर अन्तर्विषयी दृष्टिकोण विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसका शुक्रवार को अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री अनुपम राजन ने शुभारंभ किया। साथ ही महाविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी को लेकर कार्यवाही एवं मोनोग्राफ का लोकार्पण भी किया। अपर मुख्य सचिव उच्च

परंपरा और सतत विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श भी किया जा रहा है।

श्री राजन ने प्रदर्शनी का किया अवलोकन

अपर मुख्य सचिव श्री राजन ने दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में महाविद्यालय परिसर में विभिन्न संकायों द्वारा लगाई गए एक विशेष अन्तर्विषयी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने छात्राओं से संवाद कर प्रदर्शनी के बारे में जानकारी भी प्राप्त की। इसके साथ ही प्राचीन सिक्कों का संग्रह, सम्राट



शिक्षा श्री राजन ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में शिक्षा व्यवस्था में बहुविषयक अध्ययन पद्धति को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को बहु-विषयक ज्ञान प्रदान करना है। एसीएस श्री राजन ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में समग्र विकास की अवधारणा पर जोर देते हुए कहा कि केवल आर्थिक विकास ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि समाज के संतुलित और समग्र विकास के लिए मानव मूल्यों, संस्कृति, विरासत और पर्यावरण के संरक्षण पर भी समान रूप से ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विज्ञान का अध्ययन महत्वपूर्ण है, लेकिन इसके साथ-साथ कला और सामाजिक विषयों से भी जुड़व उतना ही आवश्यक है, जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो सके।

शोध-पत्र प्रस्तुत किये जायेंगे

संगोष्ठी के दौरान विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से आए प्राध्यापक, शोधार्थी और छात्र-छात्राएं अपने शोधपत्र प्रस्तुत करेंगे। साथ ही विकसित भारत 2047 की संकल्पना के संदर्भ में संस्कृति, ज्ञान

विक्रमादित्य के सिक्के, उज्जैन के महाकाल मंदिर से संबंधित सिक्के तथा अन्य कालखंडों के दुर्लभ सिक्कों का प्रदर्शन भी किया गया। इसके अतिरिक्त पद्मश्री डॉ. नारायण व्यास द्वारा संग्रहित प्राचीन औजार, पंचांग, डाक टिकट तथा अन्य पुरावस्तुओं का भी प्रदर्शन किया गया। महाविद्यालय द्वारा स्वराज संस्थान, भोपाल के सहयोग से वंदे मातरम् की ऐतिहासिक यात्रा पर आधारित विशेष प्रदर्शनी भी आयोजित की गई, जिसमें राष्ट्रीय वंदे मातरम् की उत्पत्ति, स्वतंत्रता संग्राम में उसकी प्रेरक भूमिका तथा भारतीय राष्ट्रीय चेतना में उसके महत्व को भी प्रदर्शित किया गया। संगोष्ठी में आयुक्त, मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग श्री मनोज श्रीवास्तव, आयुक्त, उच्च शिक्षा श्री प्रबल सिपाहा, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी, नई दिल्ली श्री आर. आर. रश्मि, पद्मश्री डॉ. नारायण व्यास, साहित्यकार श्री उदयन वाजपेई, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) के डॉ. मनोज कुमार कुर्मी, जनजातीय संग्रहालय, भोपाल के निदेशक डॉ. धर्मेन्द्र पारे तथा दत्तोत्तम टेंगड़ी शोध संस्थान के निदेशक डॉ. मनेश मिश्रा सहित बड़ी संख्या में विद्वान एवं महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित रहीं।

जिम्मेदार नागरिक बनने का वक्त

सरकार तो अपने स्तर पर संकट से निपटने के लिए तैयारी कर रही है और उसकी कोशिश होगी कि ईंधन की आपूर्ति की निरंतरता बनी रहे. यह संकट इस बात की आपकी परीक्षा ले रहा है और शायद आगे इन्तहान का दौर जारी रह सकता है और इस स्थिति में आपकी असल परीक्षा होगी कि आप वास्तविक में कितने देशभक्त हैं और ऐसे विकट समय में राष्ट्र का साथ कैसे देते हैं. इस परीक्षा में खरे उतरते हैं, तब आप गर्व से कह सकते हैं कि हम सब भारतीय हैं. यह समय नीति-नियमों और सरकार के व्यवहार की समीक्षा का नहीं है बल्कि हम सब के एक हो जाने का है.



संकट
प्रो. मनोज कुमार
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

किसी भी किसम का संकट हमेशा समाधान की ओर लेकर जाता है. और कोई भी संकट स्थायी नहीं होता है. हमारी पीढ़ी ने कोविड महामारी को झेला और अब अमेरिका-इजराइल और इराक के मध्य युद्ध से उभरे हालात से वैश्विक संकट से दो-चार हो रहा है. यह संकट भी स्थायी नहीं है लेकिन हालांकि हालात जो हैं, वह इस बात की गवाही नहीं देते कि समस्या का अंत तुरंत होगा और इसके चलते अनेक किसम के संकट से भारत समेत दुनिया के अनन्य देश जुड़ रहे हैं. भारत के समक्ष इस समय सर्वाधिक संकट ईंधन का है. इसके चलते गैस और पेट्रोल की सप्लाई पर असर साफ दिख रहा है. भले ही अभी हालकार ना मचा हो लेकिन जिस तरह से लोग पैनिक हो रहे हैं, हालात वैसा ही बन रहा है. इस युद्ध से जो परिस्थिति निर्मित हो रही है, वह किसी सरकार, राजनीतिक दल का नहीं अपितु राष्ट्र के संकट के रूप में देखा जाना चाहिए. सरकार तो अपने स्तर पर संकट से निपटने के लिए तैयारी कर रही है और उसकी कोशिश होगी कि ईंधन की आपूर्ति की निरंतरता बनी रहे. यह संकट इस बात की आपकी परीक्षा ले रहा है और शायद आगे इन्तहान का दौर जारी रह सकता है और इस स्थिति में आपकी असल परीक्षा होगी कि आप वास्तविक में कितने देशभक्त हैं और ऐसे विकट समय में राष्ट्र का साथ कैसे देते हैं. इस परीक्षा में खरे उतरते हैं, तब आप गर्व से कह सकते हैं कि हम सब भारतीय हैं. यह समय नीति-नियमों और सरकार के व्यवहार की समीक्षा का नहीं है बल्कि हम सब के एक हो जाने का है.

इस संदर्भ में मुझे अपने एक वरिष्ठ का कथन याद

आता है जिसमें वे कहते हैं-सब सुविधा हो और आप कार्य का प्रदर्शन कर रहे हैं, यह बड़ी बात नहीं है बल्कि असुविधा में बेहतर कार्य का प्रदर्शन करना आपके कौशल को दिखाता है. लगभग यही स्थिति हम सबके समक्ष है. जब तक ईंधन की आपूर्ति सामान्य थी और युद्ध जैसी कोई स्थिति निर्मित नहीं थी, तब हम राष्ट्रभक्त थे लेकिन अब जब संकट व्यक्ति नहीं, समूचे समाज पर है तो अब हमें राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्य का पालन करने के लिए ना केवल खुद आना ही नहीं होगा बल्कि अन्य को प्रेरित भी करना होगा ताकि जल्द ही स्थिति सामान्य हो सके. युद्ध के पहले भी हम कोविड के संकट से जुड़ चुके हैं और इस बड़े संकट महामारी से खुद को निकाल पाने में कामयाब रहे. कोविड हो या युद्ध, यह संकटकालीन स्थितियां हमें राष्ट्र के प्रति निहित जिम्मेदारी को पूर्ण करने के लिए प्रेरित करती हैं. हमारी एक बड़ी कमजोरी यह है कि हम जल्दी से ना केवल पैनिक हो जाते हैं बल्कि स्टोर करने की मानसिकता के दास बन जाते हैं. कोविड के समय भी हमने ऐसा ही किया था और



अनेक जरूरतमंदों को हमारी इस मानसिकता से नुकसान भी हुआ था. वर्तमान में भी यही देखने को आ रहा है लोग गैस टंकी स्टोर करने में तुल गए हैं. किसी उपभोक्ता के घर में चार और पाँच गैस सिलेंडर है तो वह सबको भरकर रख लेना चाहता है जबकि जिनके घरों में जरूरत के लायक एक सिलेंडर है, उसे पहले मिलना चाहिए. जब

हम वसुधैव कुटुंबकम की बात करते हैं, सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की बात करते हैं तो इस पर अमल करने का वक्त आता है तो हम क्यों नहीं करते? यह यक्ष प्रश्न ऐसे संकटकालीन स्थिति में हमारे समक्ष खड़ा होता है. इस तात्कालिक संकट में एकजुटता की जरूरत है और इसे हम स्थानीय स्तर पर ही सुलझा सकते हैं. मोहल्ले और चौपालों में आपसी समझदारी से बैठकी कर यह जान लें कि अपने मोहल्ले में कितने घर हैं और प्रत्येक घर को कितनी ईंधन की जरूरत है? फिर आपस में सुविधानुसार एक-दूसरे की सहायता करें. इससे समाज के पैनिक होने से बचा जा सकेगा और सरकार को व्यवस्था करने में सहायता मिलेगी. इसी तरह आवश्यक होने पर ही वाहनों का उपयोग करें और कोशिश करें कि पेट्रोल का खर्च कम से कम हो. कुछ लोग मानकर चल रहे हैं कि हमारे पास ईंधन है तो हम चिंता क्यों करें?

तो वे लोग जान लें कि ईंधन के लिए आपको इलेक्ट्रीसिटी की जरूरत होती है और इसे सुचारू रूप से चलाने के लिए भी अपरोक्ष रूप से ईंधन की जरूरत होती है. बेहतर होगा कि ईंधन को भी सुरक्षित रखें और आपातकाल में जरूरतमंदों की मदद में उपयोग लाएं. इस तरह छोटे-छोटे उपाय से समाज में पैनिक नहीं फैलेगा बल्कि स्वास्थ्य और पर्यावरण को बेहतर करने की दिशा में मदद मिलेगी. ऐसा हमने कोविड के दरम्यान देखा है. सरकारों को चाहिए कि वे आपातकालीन सेवाओं को छोड़कर वर्कफ्रॉम होम की पॉलिसी लागू कर दें जिससे ईंधन की बड़ी मात्रा में बचत होगी. पर्यावरण को इसका लाभ मिलेगा ही और जीवन सहज हो जाएगा. वर्कफ्रॉम होम की पॉलिसी से लाभ यह होता है कि अनेक अकारण स्थापना खर्च में भी कटौती होती है. साथ ही जरूरत पड़ने पर व्यक्ति हर समय उपलब्ध होता है. कार्यालयीन समय का बंधन नहीं होता है, इसमें वह भी नहीं है. सरकार अपने स्तर पर व्यवस्था को सुचारू बनाने की दिशा में काम कर रही है और यह संकट स्थायी नहीं है. समाज और सरकार साथ मिलकर चलेंगे तो स्थिति से निपटने में आसानी होगी. फिलवक्त संकट बहुत भयावह नहीं है लेकिन हमारा डर उसे भयावह बना रहा है. बहुत जल्द ही हम तनाव मुक्त होंगे लेकिन जो संकट है, वह सरकार का ही नहीं, समाज का है. एक जिम्मेदार नागरिक की हैसियत से हमें डर के आगे जीत को सामने रखना होगा.



प्रेरक यात्रा
अजमत
लेखक सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

मध्य प्रदेश के उमरिया जिले के छोटे से गांव करौदा की रहने वाली फूलबाई सिंह कभी घर की चौखट और पारिवारिक जिम्मेदारियों तक सीमित रहती थीं। आज वे गांव-गांव जाकर लोगों को उनके अधिकारों, पोषण और शिक्षा के बारे में जागरूक कर रही हैं। उनकी कहानी सिर्फ एक महिला की व्यक्तिगत यात्रा नहीं है, बल्कि यह उस बदलाव की कहानी है जो धीरे-धीरे ग्रामीण समाज में आकार ले रहा है- जहां महिलाएं अब केवल घर की जिम्मेदारियों तक सीमित नहीं रहना चाहतीं, बल्कि समाज के निर्माण में भी अपनी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

फूलबाई सिंह का जन्म एक साधारण आदिवासी परिवार में हुआ। गांव में प्राथमिक शिक्षा पूरी करने के बाद उन्हें आगे की पढ़ाई के लिए कई किलोमीटर दूर स्कूल जाना पड़ता था। कई बार उन्हें लंबा रास्ता पैदल तय करना पड़ता था। बाद में जब उच्च कक्षाओं में पढ़ाई शुरू हुई तो वे रोज साइकिल से दूसरे गांव जाकर पढ़ाई करती थीं।

कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी और दसवीं कक्षा तक की शिक्षा पूरी की। आगे की पढ़ाई के लिए वे छात्रावास में रहने लगीं। उस समय उनके मन में यह सपना था कि पढ़-लिखकर वे अपने जीवन में कुछ अलग करेंगी और अपने परिवार तथा समाज के लिए कुछ बेहतर कर पाएंगीं। लेकिन जीवन ने उनके लिए एक अलग रास्ता तय कर रखा था। बारहवीं की पढ़ाई के दौरान ही पारिवारिक परिस्थितियों के कारण उनकी शादी हो गई और उनकी पढ़ाई बीच में ही रुक गई।

शादी के बाद उनका जीवन गांव की अन्य

फूलबाई सिंह : अधूरी पढ़ाई से सामाजिक नेतृत्व तक

फूलबाई सिंह का जन्म एक साधारण आदिवासी परिवार में हुआ। गांव में प्राथमिक शिक्षा पूरी करने के बाद उन्हें आगे की पढ़ाई के लिए कई किलोमीटर दूर स्कूल जाना पड़ता था। कई बार उन्हें लंबा रास्ता पैदल तय करना पड़ता था। बाद में जब उच्च कक्षाओं में पढ़ाई शुरू हुई तो वे रोज साइकिल से दूसरे गांव जाकर पढ़ाई करती थीं।

कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी और दसवीं कक्षा तक की शिक्षा पूरी की। आगे की पढ़ाई के लिए वे छात्रावास में रहने लगीं। उस समय उनके मन में यह सपना था कि पढ़-लिखकर वे अपने जीवन में कुछ अलग करेंगी और अपने परिवार तथा समाज के लिए कुछ बेहतर कर पाएंगीं। लेकिन जीवन ने उनके लिए एक अलग रास्ता तय कर रखा था। बारहवीं की पढ़ाई के दौरान ही पारिवारिक परिस्थितियों के कारण उनकी शादी हो गई और उनकी पढ़ाई बीच में ही रुक गई।

महिलाओं की तरह घर और परिवार की जिम्मेदारियों के इर्द-गिर्द घूमने लगीं। घर का काम, खेती-बाड़ी और बाद में बच्चों की परवरिश-इन सबके बीच उनका अधिकतर समय बीतने लगा। कई बार उन्हें महसूस होता था कि पढ़ाई अधूरी रह जाने से उनके जीवन के कुछ सपने अधूरे रह गए हैं, लेकिन उस समय उन्हें यह समझ नहीं आता था कि वे अपने जीवन की दिशा कैसे बदल सकती हैं।

फूलबाई के जीवन में बदलाव की शुरुआत एक छोटे से अनुभव से हुई। एक दिन गांव में विकास संवाद समिति के कुछ साथी बच्चों और किशोरियों के साथ खेल और सीखने की गतिविधियां कर रहे थे। फूलबाई पास बैठकर यह सब देख रही थीं। बच्चों की भागीदारी, उनके उत्साह और सीखने के माहौल ने फूलबाई को प्रभावित किया। धीरे-धीरे उन्होंने उन साथियों से बातचीत शुरू की और यह समझने लगीं कि समाज में बदलाव के लिए समुदाय के साथ मिलकर काम किया जा सकता है। इसके बाद फूलबाई ने गांव की महिलाओं को साथ लेकर एक महिला समूह बनाने की पहल की। शुरुआत में यह काम आसान नहीं था। कई महिलाओं को घर से बाहर आकर बैठकों में शामिल



होने में झिझक होती थी। लेकिन धीरे-धीरे महिलाएं समूह की बैठकों में आने लगीं और अपने जीवन से जुड़े मुद्दों पर खुलकर चर्चा करने लगीं। इन बैठकों में फूलबाई की भूमिका महत्वपूर्ण होती गई। वे महिलाओं को बैठक के लिए बुलातीं, चर्चा को आगे बढ़ातीं और बैठकों की कार्यवाही लिखतीं।

लंबे समय बाद उन्हें फिर से पढ़ने-लिखने का मौका मिला और इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ने लगा। इसी प्रक्रिया में उनके भीतर नेतृत्व की क्षमता भी विकसित होने लगी। कुछ समय बाद उन्हें विकास संवाद समिति के साथ सामुदायिक कार्यकर्ता के रूप में काम करने का अवसर मिला। यह उनके जीवन का एक नया अध्याय था। इस भूमिका में उन्हें आसपास के कई गांवों में जाकर लोगों से मिलना, उनकी समस्याओं को समझना और उन्हें सरकारी योजनाओं तथा सेवाओं से जोड़ने का काम करना था। फूलबाई ने तय किया कि अगर उन्हें अपने काम को ईमानदारी से करना है तो उन्हें खुद ही वाहन चलाना सीखना होगा। उन्होंने हिम्मत जुटाई और कुछ ही समय में गाड़ी चलाना सीख लिया। इसके बाद वे अकेले ही दूर-दूर के गांवों में जाकर लोगों से मिलने लगीं। यह उनके जीवन में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। सामुदायिक कार्य करते हुए फूलबाई को शिक्षा का महत्व पहले से कहीं अधिक समझ में आने लगा। उन्होंने महसूस किया कि अगर वे अपनी पढ़ाई पूरी करेंगी तो समुदाय के साथ और बेहतर तरीके से काम कर पाएंगीं। इसी सोच के साथ

उन्होंने अपनी पढ़ाई दोबारा शुरू की। घर की जिम्मेदारियों और सामाजिक कार्य के साथ पढ़ाई जारी रखना आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। आखिरकार उन्होंने सामाजिक कार्य में स्नातक (बीएसडब्ल्यू) की पढ़ाई पूरी कर ली। इसी दौरान फूलबाई सिंह का जुड़ाव 'संविधान मेरी पहचान' कार्यक्रम से हुआ। इस पहल के माध्यम से उन्होंने संविधान के मूल्यों को समझना और उसे समाज के बीच पहुंचाने का काम शुरू किया। आज वे एक संविधान फेलो के रूप में समुदाय के साथ मिलकर काम कर रही हैं। वे गांवों में लोगों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जानकारी देती हैं और ग्राम सभा में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करती हैं। फूलबाई सिंह का सपना है कि गांव की हर महिला जागरूक बने, अपने अधिकारों को समझे और आत्मनिर्भर होकर अपने जीवन के फैसले खुद लेने की ताकत हासिल करे। वे चाहती हैं कि ग्रामीण महिलाएं शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और सम्मानजनक जीवन की बुनियादी सुविधाओं तक अपनी पहुंच सुनिश्चित करें और अपने नेतृत्व से समाज में एक नई पहचान बनाएं।



गैस संकट
डॉ. नरेश गौतम
सहायक प्रोफेसर, समाज कार्य विभाग, एसआरयू, रायपुर

भारत सरकार ने हाल ही में आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 को सक्रिय करते हुए एलपीजी और सीएनजी को आवश्यक वस्तुओं की सूची में शामिल किया है। सामान्यतः यह कानून तभी लागू किया जाता है जब किसी जरूरी वस्तु की कमी होने लगे या उसकी कालाबजारी, अनियमित मूल्य वृद्धि हो रही हो। इसलिए यह कदम केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं है, बल्कि यह संकेत है कि देश की ऊर्जा आपूर्ति को लेकर समस्या है। पिछले कुछ दिनों से देश के कई हिस्सों में रसोई गैस की उपलब्धता को लेकर खबरें सामने आ रही हैं। कई शहरों में गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें दिखाई दे रही हैं और सीएनजी स्टेशनों पर भीड़ और अफराकती मची है। ऐसे में एलपीजी और सीएनजी को आवश्यक वस्तु घोषित करना यह बताता है कि सरकार वितरण व्यवस्था को नियंत्रित करना चाहती है, ताकि जमाखोरी और कालाबजारी को रोका जा सके। लेकिन सवाल यह भी उठता है कि यदि स्थिति सामान्य थी, जैसा कि सरकार दावा कर रही थी, तो फिर अचानक इस तरह का प्रशासनिक कदम उठाने की जरूरत क्यों पड़ी?

भारत में एलपीजी अब केवल एक ईंधन नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों की दैनिक जरूरत का हिस्सा बन चुकी है। संसद में दी गई जानकारी के अनुसार देश में लगभग 32.94 करोड़ सक्रिय घरेलू एलपीजी उपभोक्ता हैं, जिनमें से 10 करोड़ से अधिक परिवार प्रधानमंत्री उज्वला योजना के लाभार्थी हैं। यही कारण है कि भारत आज दुनिया के सबसे बड़े एलपीजी उपभोक्ताओं में शामिल हो चुका है। इतनी बड़ी आबादी की रसोई जब किसी एक ऊर्जा स्रोत पर निर्भर हो, तो उसकी आपूर्ति में थोड़ी-सी भी अनिश्चितता सीधे सामाजिक और

कतारों में खड़ी रसोई, दावों में खड़ी सरकार

भारत में एलपीजी अब केवल एक ईंधन नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों की दैनिक जरूरत का हिस्सा बन चुकी है। संसद में दी गई जानकारी के अनुसार देश में लगभग 32.94 करोड़ सक्रिय घरेलू एलपीजी उपभोक्ता हैं, जिनमें से 10 करोड़ से अधिक परिवार प्रधानमंत्री उज्वला योजना के लाभार्थी हैं। यही कारण है कि भारत आज दुनिया के सबसे बड़े एलपीजी उपभोक्ताओं में शामिल हो चुका है। इतनी बड़ी आबादी की रसोई जब किसी एक ऊर्जा स्रोत पर निर्भर हो, तो उसकी आपूर्ति में थोड़ी-सी भी अनिश्चितता सीधे सामाजिक और राजनीतिक चिंता का कारण बन जाती है। समस्या यह है कि भारत अपनी एलपीजी जरूरतों का बड़ा हिस्सा विदेशों से आयात करता है। देश में एलपीजी की खपत लगभग 33 मिलियन टन प्रतिवर्ष तक पहुँच चुकी है और इसका बड़ा हिस्सा आयात से पूरा होता है। इस आयात का लगभग 85 से 90 प्रतिशत हिस्सा पश्चिम एशिया के देशों से आता है। इसलिए उस क्षेत्र में होने वाला कोई भी राजनीतिक या सैन्य तनाव सीधे भारत की रसोई तक असर डालता है।

वर्तमान संकट की पृष्ठभूमि भी इसी क्षेत्र से जुड़ी है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और समुद्री मार्गों पर असुरक्षा के कारण ऊर्जा आपूर्ति को लेकर अनिश्चितता बढ़ी है। विशेष रूप से Strait of Hormuz को विश्व का सबसे महत्वपूर्ण तेल और गैस मार्ग माना जाता है, जहाँ से वैश्विक ऊर्जा व्यापार का बड़ा हिस्सा गुजरता है। यदि यह मार्ग प्रभावित होता है तो भारत जैसे आयात-निर्भर देशों पर उसका प्रभाव तुरंत दिखाई देता है। भारत के ऊर्जा आयात का बड़ा हिस्सा इसी मार्ग से होकर आता है। यहाँ सबसे गंभीर प्रश्न सरकार की विश्वसनीयता का है। कुछ



ही सप्ताह पहले सरकार की ओर से यह दावा किया गया था कि देश में गैस या पेट्रोल की आपूर्ति को लेकर कोई संकट नहीं है और यदि Strait of Hormuz प्रभावित भी होता है तो भारत पर उसका विशेष असर नहीं पड़ेगा। लेकिन अब एलपीजी और सीएनजी को आवश्यक वस्तु घोषित करना यह संकेत देता है कि वास्तविक स्थिति उतनी सहज नहीं है जितनी जनता को

कानून लागू करना और नियंत्रण बढ़ाना आसान उपाय है, लेकिन यह नीति-निर्माण की दूरदर्शिता का विकल्प नहीं हो सकता। इतिहास पर यदि नजर डालें तो हमें पता चलता है कि अंतरराष्ट्रीय संघर्षों का सबसे बड़ा बोझ आम लोगों पर ही पड़ता है। द्वैतीय विश्व युद्ध के दौरान यूरोप और एशिया के कई देशों

ने भूखमरी और लाचारी देखी है। जर्मनी के सनकी तानाशाह ने अपने देश को युद्ध में धकेल दिया परिणाम क्या हुआ। पूरा देश राख और खंडहर में तब्दील हो गया। इसी तरह हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बमबारी का परिणाम बताता है कि युद्ध का अंत अफसर मानवीय त्रासदी में होता है, जिसका असर कई पीढ़ियों तक बना रहता है। वैश्विक संघर्ष केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका सीधा असर भोजन, पानी और ऊर्जा जैसी बुनियादी जरूरतों पर भी पड़ता है और ऊर्जा सुरक्षा केवल तात्कालिक नीतियों को आवश्यकता होती है। एलपीजी और सीएनजी को आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत लाना यह दर्शाता है कि सरकार स्थिति को गंभीरता से देख रही है। लेकिन केवल कानून लागू कर देना पर्याप्त नहीं है। असली प्रश्न यह है कि क्या सरकार ऊर्जा सुरक्षा को लेकर दीर्घकालिक और पारदर्शी नीति बनाने के लिए तैयार है, या फिर हर संकट के समय केवल तात्कालिक उपायों, या आत्मनिर्भरता की बयानबाजी से काम चलाया जाएगा। क्योंकि विकसित भारत का सपना केवल नारों और हवावाजी से नहीं, बल्कि मजबूत नीतियों, पारदर्शी शासन, दूरदर्शी योजना और अंतोदय से ही साकार किया जा सकता है।

'विकल्प बहुत मिलेंगे मार्ग भटकाने के लिए, संकल्प एक ही रखना मजिल तक जाने के लिए'

" Mantra of Success " में युवा- प्रतिभावान चार्टर्ड एकाउंटेंट (सीए) प्राची अग्रवाल ने बताए मोटिवेशनल टिप्स



ऐतिहासिक राजा भोज की नगरी ने कई प्रतिभाओं को जन्मा है। देश और प्रदेश के पटल पर अपनी प्रतिभा से इस पावन धरा को गौरवान्वित किया है अनेक युवाओं ने। ऐसी ही एक प्रतिभासंपन्न बिटिया प्राची अग्रवाल ने बहुत ही कम उम्र में चार्टर्ड एकाउंटेंट (सीए) बन यह जता दिया था कि बेटियां कहीं भी कमतर नहीं है। चार्टर्ड एकाउंटेंट (सीए) के रूप में कैरियर बनाने की चाह रखने वाले युवाओं के लिए वह यूथ आइकॉन है।

कॉलम "Mantra of Success" के लिए अपनी सफलता का राज बताते हुए मोटिवेशनल टिप्स देते हुए कहती हैं 'विकल्प बहुत मिलेंगे मार्ग भटकाने के लिए संकल्प एक ही रखना मजिल तक जाने के लिए' सफलता निरंतर प्रयासों से ही मिलती है इसलिए कभी अपना फोकस ना खोएं।



यूथ के लिए संदेश ...

एपीजे अब्दुल कलाम 'अपने हैसलों को ये मत बताओ की परेशानी कितनी बड़ी है अपनी परेशानियों को ये बताओ की



हैसले कितने बुलंद हैं।

मैं भी यूथ को ये ही बोलना चाहूँगी कि लाइफ में मुश्किलें तो आंयेंगी ही उनसे डरना या लड़ना हमारे हाथ में होता है। इसलिए कभी परेशानियों से हारों मत बस आगे बढ़ते रहो, रहें

खुद ब खुद बनती जाएंगी। असफलता से डरना नहीं है सीखना है। इसे अपना मंत्र बनाओ और बढ़ते जाओ। सफल सीए बनने के लिए खूब पढ़ते रहें... मैंने अपनी सीए की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद प्रैक्टिस शुरू कर दी

थी। मैं धार से ही काम कर रही हूँ। आज मुझे प्रैक्टिस करते हुए 5 वर्ष से अधिक हो गए हैं। मैं अपने इस फैसले से बहुत खुश हूँ। मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला है। सीए एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें आप पढ़ना बंद नहीं कर सकते हो। आपको निरंतर कुछ नया पढ़ना और सीखना पड़ता है आगे बढ़ने के लिए।

हैसलों की उड़ान...

मैंने अपनी 12वीं तक शिक्षा धार के श्री सी के चंदेल स्कूल से की है। उसके बाद सीए की तयारी के लिए मैं इंदौर चली गई थी। इंदौर में विभिन्न कॉलेजों से पढ़ कर मैंने सीए की परीक्षा उत्तीर्ण की है। मैं अपने आपको भाग्यशाली मानती हूँ कि मुझे बहुत अच्छे शिक्षकों से पढ़ने का मौका मिला। मेरे सीए बनने में मेरे परिवार का साथ मेरे लिए महत्वपूर्ण रहा, उन्होंने हमेशा मेरा हैसला बढ़ाया और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। **बतौर सीए संदेश - हर किसी को बुनियादी वित्तीय ज्ञान होना ही चाहिए -** बतौर सीए वित्तीय जागरूकता का संदेश देना चाहूँगी। मैंने अनुसार हर किसी को बुनियादी वित्तीय ज्ञान होना ही चाहिए। अगर आपको कुछ समझ नहीं आ रहा है तो बिना हिचके अपने सीए से संपर्क कर लेना चाहिए।

गैस संकट और महंगाई पर बैतूल में कांग्रेस ने किया बड़ा प्रदर्शन

महंगाई, गैस संकट और ट्रेडिंग ग्राउंड घोटाले के विरोध में सड़क पर उतरे कांग्रेस कार्यकर्ता

बैतूल। देश में बढ़ती महंगाई, एलपीजी गैस सिलेंडरों की किल्लत और स्थानीय स्तर पर ट्रेडिंग ग्राउंड घोटाले की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर बैतूल में कांग्रेस ने जोरदार प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस कमिटी बैतूल के नेतृत्व में 13 मार्च को जिला उद्योग केंद्र के सामने धरना देकर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। सुबह 11 बजे जिला उद्योग केंद्र के सामने आयोजित इस धरना प्रदर्शन का नेतृत्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष निलय विनोद डगगा, प्रदेश सचिव समीर खान और नगर पालिका में नेता प्रतिपक्ष राजकुमार दीवान ने किया। बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और महिलाएं भी इस प्रदर्शन में शामिल हुईं। धरने के बाद कांग्रेस नेताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महंगाई और गैस सिलेंडरों की किल्लत को लेकर सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। धरना प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने खाली गैस सिलेंडर और भट्टी पर चाय की गंजी रखकर प्रतीकात्मक प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन के माध्यम से यह संदेश देने की कोशिश की गई कि रसोई गैस के



दाम बढ़ने और सिलेंडरों की कमी के कारण आम लोगों को रसोई पर संकट खड़ा हो गया है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष निलय डगगा ने कहा कि जिस गैस सिलेंडर को सरकार ने कभी उज्वला योजना के नाम पर गरीबों तक पहुंचाने का दावा किया था, आज वहीं सिलेंडर आम लोगों की पहुंच से दूर होता जा रहा है। श्री डगगा ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की गलत विदेश नीतियों के कारण देश में ईंधन संकट गहरा गया

है। उन्होंने कहा कि ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव और वैश्विक संकट के दौर में भारत सरकार की रणनीति पूरी तरह विफल साबित हो रही है। इसका सीधा असर देश में एलपीजी गैस की उपलब्धता और कीमतों पर दिखाई दे रहा है। कांग्रेस नेताओं का कहना था कि सरकार को पहले से स्थिति का आकलन कर कदम उठाने चाहिए थे, लेकिन ऐसा नहीं किया गया।

लोग कतारों में, सरकार बयानबाजी में- धरना प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि आज देश के कई हिस्सों में लोग गैस सिलेंडर के लिए कतारों में खड़े होने को मजबूर हैं, लेकिन सरकार इस संकट को स्वीकार करने के बजाय केवल बयानबाजी कर रही है। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि आम जनता महंगाई से जूझ रही है और सरकार इस मुद्दे पर ठोस समाधान देने में विफल साबित हो रही है। कांग्रेस नेताओं ने इस प्रदर्शन के माध्यम से बैतूल के ट्रेडिंग ग्राउंड से जुड़े घोटाले की निष्पक्ष जांच की भी मांग उठाई। उनका कहना था कि स्थानीय स्तर पर कई जनसमस्याएं लगातार बढ़ रही हैं, लेकिन प्रशासन और सरकार इन मुद्दों को गंभीरता से नहीं ले रही है। कांग्रेस ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। कांग्रेस जिला अध्यक्ष निलय डगगा, प्रदेश कांग्रेस सचिव समीर खान, नेता प्रतिपक्ष नगर पालिका बैतूल राजकुमार दीवान संगठन, महासचिव ब्रज भूषण पांडे, लोकेश पण्डित प्रशांत मरीठी सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चिकित्सकों के संवेदनशील व्यवहार से मरीजों की आधी तकलीफ हो जाती है दूर : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

उप मुख्यमंत्री ने मेडिकल कॉलेज शहडोल के ब्लड सेंटर का किया शुभारंभ



भोपाल। चिकित्सक धरती पर भगवान के स्वरूप होते हैं। चिकित्सक मरीजों को नया जीवन देने का कार्य करते हैं। मरीज अस्पताल में खुशियां बांटने नहीं आते, बल्कि अपनी मजबूरी और जीवन की नई उम्मीदों के साथ आते हैं। यदि स्वास्थ्य विभाग का अमला पूरी ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और संवेदनशीलता के साथ व्यवहार करे तो अस्पताल आने वाले मरीजों की आधी तकलीफ अपने-आप दूर हो जाती है और उन्हें जीवन जीने का संबल भी मिलता है। उक्त विचार उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के

प्रभारी मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने आज शासकीय बिरसा मुंडा मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय शहडोल में ब्लड सेंटर के शुभारंभ अवसर पर व्यक्त किए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि ब्लड सेंटर का शुभारंभ शहडोल संभाग के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इससे संभाग के मरीजों को सरलता और सहजता से रक्त उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने कहा कि शासकीय बिरसा मुंडा मेडिकल कॉलेज में अध्ययनरत विद्यार्थी बेहतर शिक्षा ग्रहण कर देश और समाज की सेवा में महत्वपूर्ण योगदान दें।

निर्माणधीन विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ करें पूर्ण : शुक्ल

उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे निर्माणधीन विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभागों द्वारा संचालित विकास कार्यों को समय-समया में प्राथमिकता के साथ पूर्ण कराया जाए, ताकि आमजन को उनका लाभ मिल सके। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ नैचुरल मेडिसिन प्रस्तावों पर भी चर्चा करते हुए एमपी आईडीसी एंव जिला प्रशासन के अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही कर प्रस्तावित निवेशकों को शीघ्र भूमि उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की प्रभावशाली उपस्थिति - केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने दिया राष्ट्रीय संबोधन

महिला नेतृत्व वाले विकास और लैंगिक समानता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराई

धारा। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित महिला स्थिति आयोग (सीएसडब्ल्यू-70) के 70वें सत्र की आम चर्चा के दौरान भारत की ओर से राष्ट्रीय संबोधन दिया। इस अवसर पर विश्व के अनेक देशों के प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए और लैंगिक समानता तथा महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की वैश्विक प्रतिबद्धता को दोहराया। अपने संबोधन में सावित्री ठाकुर ने महिला नेतृत्व वाले विकास की दिशा में भारत की उल्लेखनीय प्रगति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत का विकास दर्शन 'सबका साथ, सबका विकास' समावेशी और न्यायपूर्ण समाज की दिशा में मार्गदर्शक सिद्धांत रहा है।

उन्होंने बताया कि देश में लगभग 90 लाख स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी 10 करोड़ से अधिक महिलाएं जमीनी स्तर पर नेतृत्व और उद्यमिता को बढ़ावा देते हुए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि अटल इन्क्यूबेशन केंद्रों के तहत समर्थित 1,00,00 से अधिक स्टार्टअप का नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं, जबकि 8 लाख से अधिक महिला निदेशक देश की सक्रिय कंपनियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान के अंतर्गत 2 करोड़ से अधिक ग्रामीण महिलाओं को डिजिटल सेवाओं का प्रशिक्षण प्रदान किया गया है, जिससे लैंगिक डिजिटल असमानता को कम करने में सहायता मिली है।

रसोई गैस सिलेंडर की घर तक आपूर्ति सुनिश्चित की जाए : भाकपा

भोपाल। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने रसोई गैस सिलेंडर के संकट पर गहरी चिंता व्यक्त कर इसकी कालाबाजारी रोकने के लिए गोदाम से देना बन्द कर उपभोक्ता के घर ही आपूर्ति की निश्चित व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। भाकपा मध्य प्रदेश के राज्य सचिव कॉमरेड शैलेन्द्र शैली ने बताया कि मध्य प्रदेश सरकार की लापरवाही, अदूरदर्शिता के कारण ही रसोई गैस सिलेंडर का संकट जारी है। कालाबाजारी बढ़ रही है और इस पर रोक लगाने के लिए सरकार ने कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की है। रसोई गैस सिलेंडर की एजेंसी के मालिक बुकिंग के माध्यम से सिलेंडर की उपभोक्ता के घर आपूर्ति बन्द कर सीधे गोदाम से सिलेंडर दे रहे हैं और मनमाने दाम वसूल रहे हैं। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा इसे रोकने हेतु कोई भी प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है। इससे स्थानीय स्तर पर रसोई गैस एजेंसी के मालिकों और जिला प्रशासन के अधिकारियों की मिलीभगत की आशंका बनी हुई है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की राज्य सरकार से मांग है कि गोदाम से सिलेंडर देना बन्द कर उपभोक्ता को सीधे घर पर ही आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। अन्यथा स्थानीय स्तर पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

18 साल बाद पारदी दंपती हत्याकांड में फेसला पारदी हत्याकांड में पूर्व मंत्री सुखदेव पांसे, राजा पवार सहित 14 आरोपी बरी

बैतूल/मुनताई। जिले के बहुचर्चित पारदी दंपती हत्याकांड में लगभग 18 वर्षों बाद अदालत का फैसला आ गया है। भोपाल स्थित केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की विशेष अदालत ने पूर्व मंत्री एवं विधायक सुखदेव पांसे तथा जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पवार सहित कुल 14 आरोपियों को साक्ष्यों के अभाव में बरी कर दिया। शुक्रवार को सुनाए गए इस फैसले के साथ ही करीब दो दशकों से न्यायालय में लंबित यह बहुचर्चित मामला समाप्त हो गया। यह मामला वर्ष 2008 में बैतूल जिले के मुलताई क्षेत्र के चौथिया गांव का है। उस समय पारदी समुदाय के डेरे में हिंसा और आगजनी की घटना सामने आई थी। घटना के बाद बॉर्डर पारदी और उनकी पत्नी के शव गांव के एक कुएं से बरामद किए गए थे। इस दोहरे हत्याकांड ने उस समय पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी थी और कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हुए थे। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विस्तृत जांच शुरू की थी। जांच के दौरान तत्कालीन कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री



सुखदेव पांसे, वर्तमान जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पवार सहित कुल 16 ग्रामीणों के खिलाफ हत्या सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए इसकी सुनवाई भोपाल स्थित सीबीआई की विशेष अदालत में स्थानांतरित की गई, जहां यह प्रकरण लगभग 18 वर्षों तक विचाराधीन रहा।

लंबे समय तक चली न्यायिक प्रक्रिया- इस दौरान अदालत में कई गवाहों के बयान दर्ज किए गए और मामले से जुड़े विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जांच की गई। हालांकि लंबी सुनवाई के दौरान दो आरोपियों की मृत्यु हो गई, जिसके चलते अंतिम निर्णय के समय अदालत ने 14 आरोपियों के विरुद्ध ही फैसला सुनाया। शुक्रवार को सीबीआई की विशेष अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर सभी 14 आरोपियों को दोषमुक्त करार देते हुए बरी कर दिया।

18 वर्षों से लंबित बहुचर्चित मामला समाप्त- आरोपियों की ओर से अधिकांश वी.के. सक्सेना और संजय रावत ने अदालत में पेंचरी की। फैसले के बाद उन्होंने कहा कि न्यायालय ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर निष्पक्ष निर्णय दिया है। वहीं फैसले के बाद आरोपियों के समर्थकों ने इसे सत्य की जीत बताते हुए खुशी जाहिर की और राहत की सांस ली।

पुलिस ने बुजुर्ग के 17,000 रुपये वापस दिलाए

बैतूल। पुलिस ने एक बुजुर्ग व्यक्ति के गिरे हुए 17,000 रुपये वापस दिलाकर सराहनीय कार्य किया गया। दरअसल 11 मार्च को शाम करीब 6 बजे ओझा उर्फ 55 वर्ष, निवासी चारसी थाना बैतूल बाजार द्वारा सूचना दी गई कि वह पिछले 3 माह से महाराष्ट्र में मजदूरी कर वापस आया था, जहां उसे मजदूरी के रूप में 17,000 रुपये प्राप्त हुए थे। उक्त राशि बड़ोरा चौक आठनेर रोड के पास कहीं जेब से गिर गई। सूचना प्राप्त होते ही थाना प्रभारी बैतूल बाजार निरीक्षक अंजना धुर्वे द्वारा तत्काल पुलिस बल मौके



पर भेजकर आसपास के सीसीटीवी फुटेज देखने निर्देश दिए गए। सीसीटीवी फुटेज जांच के दौरान एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा रुपये उठाते हुए दिखाई दिया। पुलिस टीम द्वारा उस व्यक्ति की पहचान के लिए उसके आने-जाने के पूरे रूट का पता लगाकर लगभग 13 स्थानों के सीसीटीवी कैमरों की जांच करवाई गई। पुलिस के लगातार प्रयासों के बाद अज्ञात व्यक्ति की पहचान कर उसे थाना बैतूल बाजार बुलवाया गया, जिसने काफी मशकत के बाद रुपये उठाने की बात आधिकारिक स्वीकार की। उक्त व्यक्ति से बुजुर्ग व्यक्ति के जेब से गिरे हुए 17,000 रुपये बुजुर्ग के परिजनों की उपस्थिति में वापस दिलाए गए। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी बैतूल बाजार निरीक्षक अंजना धुर्वे, आरक्षक अनिरुद्ध यादव, आरक्षक नितिन चौहान, प्रधान आरक्षक मुकेश पवार एवं थाना बैतूल बाजार पुलिस स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

समूचा नगर पानी के लिए परेशान, कांग्रेसियों ने सौंपा ज्ञापन, इन्दौर जैसी घटना की आशंका जताई

सोहागपुर। बड़े-बड़े दावे करने वाला सोहागपुर विधानसभा का मुख्यालय इन दिनों पानी की समस्या से जूझ रहा है। इससे करीबन नगर 25 हजार वाशिंगटन पर पीने के पानी के लिए दो दो हाथ करना पड़ रहा है। हुआ यूं कि विगत दिनों से नर्मदा जल परियोजना की जल प्रदाय सप्लाई ठप हो गई। इससे हालात खराब हो गए। जिससे नगर पंचायत परिषद को अपनी पुरानी जल प्रदाय को चलाऊ करना पड़ा। फिर भी कई वाडों में पानी की किल्लत रही। हालांकि नगर पंचायत परिषद ने टैंकरों से जल सप्लाई कराई। लेकिन यह जल सप्लाई अपयोज्य है।

इधर अंबेडकर वार्ड के पूर्व पार्षद मोहन कहार ने अपनी राशि से हेड-उप सुधरवा कर चार्जवासीयों को कुछ राहत पहुंचाई। इधर आज ब्लाक कांग्रेस एवं नगर कांग्रेस ने नगर की विकराल पानी की समस्या को लेकर अनुविभागीय अधिकारी के नाम नायब



तहसीलदार रंजीतसिंह को ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में कहा गया है कि नगर परिषद

सोहागपुर द्वारा जल आपूर्ति की नर्मदा जल योजना कुछ समय से बंद है। जिससे भीषण

गर्मी में समूचे पानी की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। जिससे जबकि पानी जीवन चलाने के लिये सबसे महत्व बिना पानी के कुछ भी किया जाना संभव नहीं है। लेकिन नगर पंचायत परिषद के द्वारा जिस पाईप लाइन से जो पानी आ रही है। (वह पूर्णतः दुष्प्रति है। इस पानी में कीड़े निकल रहे हैं। जिससे नगर में गंभीर बीमारी फैलने का खतरा उत्पन्न हो गया है। इस मामले की जांच करके जल आपूर्ति जल्द शुरू की जाए। अन्यथा कहीं इन्दौर जल प्रदाय से होने वाली घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो जाए। इस अवसर पर ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष सुधीर ठाकुर, नगर कांग्रेस अध्यक्ष प्रशांत जायसवाल, वकील मंगलसिंह धुर्वे, नरज गजेंद्र सिंह चौधरी, प्रकाश मालवीय, नरज चौधरी, धनराज बलवंशी, सुनीलाल मुगदल, नितिन चौरसिया, अर्पित तिवारी, वकील कार्तिक शर्मा, इरफान खान, समाजसेवी गणेश अहिरवार आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

गांव में आटा चक्की और किराना दुकान की शुरुआत से एक ग्रामीण परिवार का बदला जीवन

विदिशा (निप्र)। आजीविका मिशन द्वारा स्व सहायता समूह से जुड़कर ग्रामीण महिलाएं भी अब अपने परिवार को आगे बढ़ाकर उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत करने में पीछे नहीं हैं। सिरोंज तहसील के ग्राम भीरा में निवासरत श्रीमती राजकुमारी अहिरवार घर की महिला सदस्य होने के बावजूद और ग्राम में निवास करने के बाद भी लव कुश स्व सहायता समूह से जुड़ीं और लोन राशि प्राप्त कर घर में ही आटा चक्की और किराना दुकान शुरू कर उन्होंने अपनी मासिक आय 12 हजार से अधिक कर ली है। समाज में उनकी प्रतिष्ठा बढ़ी है और उनके बच्चे अच्छे स्कूल में अच्छी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं परिवार खुशहाल जिंदगी जी रहा है। श्रीमती राजकुमारी अहिरवार की वार्षिक आय 1 लाख से अधिक हो गई है और वह लखपति दीदी की श्रेणी में भी शामिल हो गई हैं। श्रीमती राजकुमारी अहिरवार ने बताया कि समूह से जुड़ने के पूर्व की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। समूह से जुड़ने के पूर्व मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण कर रही थी उनकी वार्षिक आय 45 हजार रूपए ही थी। वर्तमान में समूह से जुड़ने के पश्चात श्रीमती राजकुमारी बाई ने समूह में बैठक एवं बचत की 6 माह बाद उन्होंने सीआईएफ से 10 हजार एवं सीसीएल से 1 लाख की ऋण राशि प्राप्त की और मुद्रा लोन से 50 हजार का ऋण राशि प्राप्त की जिससे उन्होंने आटा चक्की एवं किराना दुकान की गतिविधि प्रारंभ की। उनकी मेहनत रंग लाई और अब उनकी मासिक आय 12 हजार 500 रुपये तक हो गई है। समूह से जुड़ने के बाद श्रीमती राजकुमारी बाई ने परिवार के साथ मजदूरी छोड़कर बच्चों को अच्छे स्कूल में पढ़ाना प्रारंभ किया जिससे उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा में बदलाव आया है।

कलेक्टर ने लंबित आवेदनों की समीक्षा कर अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज विभिन्न विभागों में लंबित आवेदनों की गहन समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी नियमित रूप से अपने कार्यालयों में उपस्थित रहकर आमजन के आवेदनों का त्वरित समाधान करें। कलेक्टर श्री गुप्ता ने बताया कि प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए कल से वीडियो कॉलिंग के माध्यम से अधिकारियों और कर्मचारियों को उपस्थिति की क्रॉस मॉनिटरिंग की व्यवस्था लागू की जाएगी, जिससे कार्यालयों में अनुशासन और कार्य की गति बनी रहे। बैठक में कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग से संबंधित विषयों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि जिले के सभी कुपोषित बच्चों को अनिवार्य रूप से पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) में भर्ती कराया जाए। साथ ही वहां भर्ती बच्चों को सुपोषण किट भी उपलब्ध कराई जाए, ताकि उनके स्वास्थ्य में शीघ्र सुधार हो सके। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि जब भी वे अपने कार्यक्षेत्रों का भ्रमण करें तो आंगनवाड़ी केंद्रों का निरीक्षण अवश्य करें और वहां बच्चों को मिलने वाली सेवाओं, पोषण आहार तथा व्यवस्थाओं का जायजा लें। बैठक के दौरान कलेक्टर ने खाद्य विभाग के माध्यम से किए जा रहे कार्यों की भी जानकारी ली। उन्होंने पात्रता पत्रों के आधार पर हितग्राहियों को वितरित किए जा रहे खाद्यान्न की स्थिति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से वितरण व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि पात्र हितग्राहियों को समय पर खाद्यान्न उपलब्ध हो।

जिला पंचायत सीईओ ने की आजीविका मिशन के उत्पादक समूहों के कार्यों की समीक्षा

सोहोर (निप्र)। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव ने जिला पंचायत सभाकक्ष में एनआरएलएम के जिला एवं ब्लॉक स्तरीय उत्पादक समूहों एवं सीएलएफ पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित कर उत्पादक समूहों के कार्यों की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने समूहों के बिजनेस प्लान पर भी चर्चा की। इस दौरान बताया गया कि उत्पादक समूहों के बिजनेस प्लान के अनुसार एसआरएलएम द्वारा राशि उपलब्ध कराई जाती है। बैठक में उत्पादक समूह का व्यवसाय विकसित करने के उद्देश्य से मार्केट वेंडर मॉडल के बारे में भी जानकारी दी गई तथा जिले में उत्पादक समूहों द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रगति भी साझा की गई। बैठक में बताया गया कि अभी तक जिले में 34 उत्पादक समूहों के बिजनेस प्लान राज्य द्वारा स्वीकृत किए गए हैं एवं इनके द्वारा किए जा रहे कार्यों से 60 लाख का टर्नओवर अर्जित किया गया है। इन सभी को देखते हुए राज्य द्वारा 96 लाख रुपये की राशि बिजनेस सपोर्ट के लिए उपलब्ध कराई गई है। इस प्रकार जिले में एनआरएलएम के अंतर्गत उत्पादक समूह कार्य कर रहे हैं। बैठक में जिला पंचायत सीईओ द्वारा आजीविका मिशन स्टाफ की समीक्षा के दौरान निष्क्रिय समूहों को सक्रिय करने, विभिन्न समूहों के बैंक बचत खाते खुलवाने एवं चक्रीय राशि आप्राम समूह को पात्रता अनुसार राशि मांग करने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान जिला पंचायत सीईओ श्रीमती यादव ने उपस्थित 150 से भी अधिक समूह की महिलाओं को आत्मनिर्भरता का संदेश हुए कहा कि समूह से जुड़कर महिलाएं आय मूलक गतिविधियों से अपनी और अपने परिवार की आय में वृद्धि कर रही हैं, यह महिलाओं के लिए सम्मान और गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि अजीविका मिशन से जोड़कर अधिक से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी बनाना शासन और प्रशासन का उद्देश्य है। बैठक में डीपीएम श्री दिनेश बरफा सहित अन्य अधिकारी एवं समूह की दीर्घाया उपस्थित थीं।

बाल एवं बंधक और बंधक श्रम क्षमता संवर्धन संभागीय कार्यशाला का किया गया आयोजन

नर्मदापुरम (निप्र)। बाल एवं बंधक श्रम क्षमता संवर्धन संभागीय कार्यशाला का आयोजन साईं कृष्णा रिजार्ट आई टी आई रोड नर्मदापुरम में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि श्री अभय सिंह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, श्री शैलेन्द्र कौरव अध्यक्ष बाल कल्याण समिति नर्मदापुरम, श्री अमरजीत सिंह, यूनिसेफ, श्रीमती रजनी मालवीय, सहायक श्रमायुक्त नर्मदापुरम, जिला श्रम कार्यालय बैतूल एवं हटा के अधिकारी जिला टास्क फोर्स समिति के सभी सदस्य तथा जिले के आद्योगिक संगठन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यशाला में बाल एवं बंधक श्रमिक अधिनियम अंतर्गत प्रावधानों की जानकारी दी गई। यूनिसेफ से उपस्थित श्री अमरजीत कुमार सिंह द्वारा बाल श्रम से संबंधित स्टेट एक्शन प्लान की जानकारी दी गई तथा संभाग के सम्मस्त जिलों की कार्ययोजना तैयार करने हेतु मार्गदर्शन दिया गया।

जल जीवन मिशन, स्वास्थ्य और शिक्षा योजनाओं की प्रगति की समीक्षा, अधिकारियों को दिए निर्देश

रायसेन (निप्र)। अपर मुख्य सचिव श्री संजय कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में बुधवार को भोपाल संभाग की विकास योजनाओं और शासकीय नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर आयुक्त कार्यालय के सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, विधायक दक्षिण पश्चिम भोपाल श्री भगवानदास सबनानी, शमशाबाद विधायक श्री सूर्यप्रकाश मीणा, नरसिंहगढ़ विधायक श्री मोहन शर्मा एवं बैरसिया विधायक श्री विष्णु खत्री सहित अन्य जिलों से सभी विधानसभाओं के विधायकगण भी वीसी के माध्यम से जुड़े।

इसके साथ ही रायसेन कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा सहित संबंधित जिलों के कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ तथा संबंधित विभागीय अधिकारी भी उपस्थित रहे। बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री शुक्ला ने स्वास्थ्य, शिक्षा, लोक स्वास्थ्य यात्रिकी, नल-जल योजना और जल जीवन मिशन सहित विभिन्न विभागीय योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की तथा योजनाओं के समयबद्ध और प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

स्वास्थ्य, शिक्षा और आंगनवाड़ियों की सघन निगरानी

श्री शुक्ला ने कलेक्टर को निर्देशित किया कि स्वास्थ्य सेवाओं, विद्यालयों और आंगनवाड़ियों के संचालन की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विशेष रूप से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और स्कूलों की व्यवस्थाओं पर सतत निगरानी रखने तथा किसी भी प्रकार की कमी या

विकास कार्यों में गुणवत्ता से समझौता नहीं: अपर मुख्य सचिव श्री शुक्ला



अनियमितता पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

पेयजल आपूर्ति और जनप्रतिनिधियों से समन्वय

आगामी ग्रीष्मकाल को देखते हुए श्री शुक्ला ने समूह पेयजल योजनाओं को समय-समय में पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि प्रत्येक नागरिक को पर्याप्त पेयजल उपलब्ध हो

सके। उन्होंने कलेक्टर से कहा कि जनप्रतिनिधियों, विशेषकर विधायकों के साथ निरंतर संवाद और समन्वय बनाए रखें तथा उनके द्वारा उठाई गई जनसमस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों की गुणवत्ता और समय-सीमा के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं होगा। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

हार्वैस्टर मशीन से गेहूं कटाई के साथ बन रहा भूसा, नरवाई जलाने की जरूरत खत्म

नरवाई प्रबंधन के लिए किसानों को मिल रही अनुदानित मशीनें, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा

नरवाई प्रबंधन में यंत्रों के उपयोग की कलेक्टर ने की किसानों से अपील

नरवाई प्रबंधन के लिए सरकार भी दे रही यंत्रों पर अनुदान

सोहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरु के. के निर्देशानुसार जिले में फसल अवशेष (नरवाई) जलाने की घटनाओं की रोकथाम के लिए कृषि विभाग द्वारा लगातार प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में किसानों को नरवाई प्रबंधन के लिए आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है। विभाग द्वारा किसानों को अनुदान पर हार्वैस्टर एवं अन्वय मशीनें उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिनकी सहायता से गेहूं की कटाई के साथ-साथ नरवाई से भूसा भी तैयार किया जा रहा है। इस तकनीक के उपयोग से किसानों की अतिरिक्त लाभ मिल रहा है तथा खेतों में नरवाई जलाने की आवश्यकता भी नहीं पड़ती। कृषि उप संचालक श्री अशोक उपाध्याय ने बताया कि इस पहल से न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिल रहा है, बल्कि खेतों की उर्वरता भी बनी रहती है और किसानों को बेहतर नरवाई प्रबंधन का लाभ मिल रहा है। इसके अलावा विभाग द्वारा किसानों को जागरूक करने के लिए लाउड स्पीकर के माध्यम से निरंतर प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है, ताकि जिले में नरवाई जलाने की घटनाओं को पूरी तरह रोका जा सके।



नरवाई प्रबंधन के लिए सरकार भी दे रही यंत्रों पर अनुदान : कृषकों द्वारा नरवाई को जलाने से रोकने के लिए शासन द्वारा भी कई कदम उठाये गये हैं, जिसमें प्रदेश स्तर पर 46,800 से अधिक नरवाई प्रबंधन से संबंधित कृषि यंत्र अनुदान पर वितरित करने के लिए कुल 468 करोड़ रुपये की अनुदान राशि जारी की गई है।

वर्ष 2025-26 में नरवाई प्रबंधन से संबंधित 15 फसल अवशेष स्पलाई चैन (एग्रीगेटर) स्थापित किये जाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश में नरवाई प्रबंधन के लिए हैप्पी सीडर, सुपर सीडर, स्ट्री रीपर, बेलर जैसे 07 हजार कृषि यंत्रों को अनुदान के माध्यम से वितरित किये जाने का लक्ष्य रखा गया है। नरवाई

प्रबंधन में यंत्रों के उपयोग की कलेक्टर ने की अपीलकलेक्टर श्री बालागुरु के. ने किसानों से नरवाई प्रबंधन यंत्र अपनाने व नरवाई न जलाने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि भूमि की उपजाऊ क्षमता बनाए रखने हेतु खेतों में नरवाई नहीं जलाएं। सरकार किसानों को नरवाई प्रबंधन में उपयोग किये जाने वाले यंत्रों पर 40 से 50 प्रतिशत तक अनुदान दे रही है। जो किसान यंत्र नहीं खरीद सकते वो किराये पर लेकर उपयोग करें, इन यंत्र के उपयोग से उत्पादन भी अधिक होगा तथा लागत भी कम लगेगी। कलेक्टर ने किसानों से अपील की है कि किसान कृषि विभाग की योजनाओं का लाभ लेकर अपनी उन्नति का मार्ग प्रशस्त करें और पर्यावरण का संरक्षण करें।

मुक्तिधाम की भूमि का कराया गया सीमांकन

विदिशा (निप्र)। लटेरी तहसील के ग्राम आनन्दपुर में मुक्तिधाम की भूमि को लेकर स्पष्टता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से तहसीलदार श्री हेमंत अग्रवाल की उपस्थिति में भूमि का सीमांकन कराया गया। सीमांकन की कार्यवाही के दौरान राजस्व अमले द्वारा मौके पर भूमि की सीमा निर्धारित कर ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों को विस्तार से जानकारी दी गई। तहसीलदार श्री हेमंत अग्रवाल ने मौके पर उपस्थित ग्राम पंचायत के पदाधिकारियों एवं ग्रामीणों को मुक्तिधाम की निर्धारित भूमि की सीमा समझाई तथा भविष्य में किसी प्रकार के विवाद की स्थिति से बचने के लिए सीमांकन का पालन करने के निर्देश दिए। इस दौरान राजस्व विभाग के कर्मचारी, पंचायत प्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन भी उपस्थित रहे।

जिले के 779 वृद्धजन अयोध्या तीर्थ यात्रा हेतु हुए रवाना विधायक डॉ चौधरी ने वृद्धजनों का रेल्वे स्टेशन पर किया स्वागत

रायसेन (निप्र)। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत रायसेन जिले के 779 तीर्थ यात्री, अनुरक्षकों के साथ 11 मार्च को भोपाल स्थित कमलापति रेल्वे स्टेशन भोपाल से ट्रेन के माध्यम से अयोध्या के लिए रवाना हुए। रायसेन जिले के तीर्थ यात्रियों को रानी कमलापति रेल्वे स्टेशन भोपाल तक ले जाने हेतु जिला प्रशासन द्वारा वाहन व्यवस्था की गई थी। तीर्थ यात्रियों के लिए विकासखण्ड/तहसील स्तर पर वाहन व्यवस्था की गई, जहां से तीर्थ यात्री बसों के माध्यम से कमलापति रेल्वे स्टेशन भोपाल पहुंचें। यहां सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी द्वारा तीर्थ यात्रियों को पुष्पहार पहनाकर उनका स्वागत किया गया तथा यात्रा हेतु शुभकामनाएं दी गई। इस अवसर पर उप संचालक सामाजिक न्याय श्री मनोज बाथम सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

सड़कों के मेंटेनेंस एवं मरम्मत का कार्य सड़क निर्माण विभाग प्राथमिकता से करें: कमिश्नर

कमिश्नर ने संभाग की सड़कों के निर्माण कार्य एवं डीपीआर तथा स्वीकृति की समीक्षा की

नर्मदापुरम (निप्र)। सड़क निर्माण की डीपीआर बनाने में अधिक समय ना लगे, डीपीआर के पश्चात सड़क निर्माण का टेंडर प्राथमिकता से लगाया जाए। टेंडर के पश्चात सड़क निर्माण का कार्य भी अचलित शुरू कर दिया जाए। सभी सड़कों की मेंटेनेंस एवं मरम्मत का कार्य अचलित शुरू किया जाए। उक्त निर्देश नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर श्री



कृष्ण गोपाल तिवारी ने बुधवार को आयोजित मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम, मध्य प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण, मध्य प्रदेश हाइवे बोर्ड गृह निर्माण मंडल एवं मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड की संभागीय समीक्षा बैठक में दिए। प्रबंधक मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम ने बताया कि

वर्तमान में हटा से आशापुर सड़क का कार्य किया जाना है इसके साथ ही हटा से खिड़कियां तक जाने वाली सड़क के मेंटेनेंस का कार्य भी किया जा रहा है।

प्रबंधक मध्य प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण ने बताया कि वर्तमान में सड़कों के रिवरुल का कार्य कर रहे हैं, कई सड़कों के

निर्माण कार्य के लिए टेंडर लगाए गए हैं। मुख्यमंत्री मजरा टोला के अंतर्गत सड़क निर्माण के कार्यों का सर्वे किया गया है। हर जिले की सड़क विधानसभा में 20 किलोमीटर तक के सड़क का निर्माण कार्य विभाग द्वारा किया जाना है। इसके अनुरूप नर्मदापुरम जिले में 80 किलोमीटर की सड़क का निर्माण कार्य किया जाएगा। सोहागपुर में 14 सड़क एवं पिपरिया में 10 सड़क निर्माणाधीन है। हटा में 40 एवं बैतूल में 100 किलोमीटर तक की रोड बनाई जा रही है। उन्होंने बताया कि माईनिंग के अंतर्गत कुछ सड़क आ रही है जिससे सड़क निर्माण में दिक्कत आ रही है। उन्होंने बताया कि कादी कला रोड व तारा रोड रोड बारिश में खराब हो गई थी जिसके मेंटेनेंस का कार्य किया जाना है।

विद्युत विभाग के अधीक्षण यंत्रों ने बताया कि सब स्टेशन मालाखेड़ी रायपुर, साधपुर निभौरा में पावर स्टेशन बनने हैं। साधपुर में

एक हेक्टेयर क्षेत्र में सब स्टेशन बनाया जाएगा यहां से 25 किलोमीटर की विद्युत लाइन भी डाली जाएगी। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि ग्रीष्म ऋतु में लाइन लास ना हो विद्युत स्प्लाइ निर्बंध गति से चालू रहे। जहां भी ट्रांसफार्मर बंद होने की सूचना प्राप्त हो वहां पर प्राथमिकता से ट्रांसफार्मर भी बदले जाएं। बताया गया कि सोडलपुर सब स्टेशन भी इसी वर्ष कार्य करना शुरू कर देगा।

बैठक में हाउसिंग बोर्ड गृह निर्माण मंडल के ई ई ने बताया कि बैतूल में केंद्रीय जेल का निर्माण कार्य विभाग द्वारा किया जा रहा है। वर्तमान में निर्माण कार्य 75% पूरा हो चुका है। 15 अगस्त को इसका विधिवत उद्घाटन किया जाएगा।

बैठक में संयुक्त आयुक्त विकास श्री नवल मीणा, उपायुक्त विकास श्री डी एन पटेल सहित सड़क निर्माण विभाग के अधिकारी गण उपस्थित रहे।



जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए कृषि विभाग द्वारा किया गया बीआरसी केंद्र का शुभारंभ

केंद्र से किसानों को मिलेंगे सस्ते जैविक उत्पाद

सोहोर (निप्र)। कृषि विभाग द्वारा इच्छवर तहसील के ग्राम गाजीखेड़ा में जैविक संसाधन केंद्र (बीआरसी) का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कृषि उप संचालक श्री अशोक कुमार उपाध्याय ने किसानों को जैविक खेती के महत्व के बारे में जानकारी दी और बताया कि इस बीआरसी केंद्र के माध्यम से किसानों को जैविक उत्पाद बाजार की तुलना में कम लागत पर उपलब्ध हो सकेंगे, जिससे खेती की लागत कम करने में सहायता मिलेगी। बीआरसी केंद्र के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि इस जैविक संसाधन केंद्र की उत्पादन क्षमता 45 दिनों में लगभग 300 लीटर जैविक घोल तैयार करने की है। इस केंद्र में कुल 10 प्रकार के जैविक उत्पाद तैयार किए जाते हैं।

इसके केंद्र में किसानों के लिए विभिन्न प्रकार के जैविक उत्पाद तैयार किए जाते हैं, जिनमें धरु-2 घोल, देसी कल्प अर्क, दशपर्णी अर्क, फल अर्क, सधन्धय अर्क, ह्रूमिक एसिड अर्क, अमिल अर्क, जैविक माइक्रोऑर्गेनिज्म स्लरी, फुल्विक एसिड घोल एवं वायमिल अर्क शामिल हैं। ये सभी उत्पाद प्राकृतिक एवं जैविक विधियों से तैयार किए जाते हैं। इनका उपयोग करने से मृदा में लाभकारी सूक्ष्मजीवों की संख्या बढ़ती है, मृदा की संरचना एवं उर्वरता में सुधार होता है तथा पौधों को आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्व प्राप्त होते हैं। साथ ही जैविक घोल पौधों की वृद्धि को प्रोत्साहित करते हैं, जड़ों के विकास को मजबूत बनाते हैं और फसलों को कीट एवं रोगों से सुरक्षित रखने में भी सहायक होते हैं। इन जैविक उत्पादों के नियमित उपयोग से खेती की लागत कम होती है, रासायनिक उर्वकों एवं कीटनाशकों पर निर्भरता घटती है तथा किसानों को स्वस्थ, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पादन प्राप्त करने में मदद मिलती है। साथ ही यह पहल क्षेत्र में प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

इस बीआरसी केंद्र से क्षेत्र के लगभग 314 किसानों को प्रत्यक्ष रूप से लाभ प्राप्त होगा। किसानों को यहां से जैविक घोल एवं अन्य जैविक इनपुट आसानी से उपलब्ध हो सकेंगे, जिससे प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा मिलेगा। उल्लेखनीय है कि गत वर्ष ग्राम सेवनिद्या में भी जैविक संसाधन केंद्र का शुभारंभ किया गया था, जो क्षेत्र में जैविक खेती को प्रोत्साहन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम में उद्घानिकी विभाग के सहायक संचालक श्री जगदीश मुजाल्दा सहित अन्य अधिकारी एवं किसान उपस्थित थे।

सिवनी में शहडोल-नागपुर एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त ब्रेकयान के पहिए पटरी से उतरे, यात्रियों में हड़कंप

सिवनी (नप्र)। शहडोल से नागपुर की ओर जा रही शहडोल-नागपुर एक्सप्रेस के साथ आज एक बड़ा हादसा होने से बाल-बाल बच गया। जानकारी के अनुसार, नैनपुर से केवलारी के बीच ट्रेन के पहिए अचानक पटरी से नीचे उतर गए। पटरी से उतरते ही ट्रेन में तेज झटका महसूस हुआ, जिससे यात्रियों में हड़कंप मच गया। इसके बाद अफरातफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई।



दोपहर साढ़े बारह बजे की घटना

यह घटना करीब दोपहर साढ़े 12 बजे की है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत आने वाले नैनपुर-केवलारी के बीच शहडोल-नागपुर एक्सप्रेस के पहिए पटरी से उतर गई। गनीमत रही कि उस समय ट्रेन की रफ्तार कम थी। इसकी वजह से कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे की टीम मौके पर पहुंची। इसके बाद ट्रैक से कोच को हटाने में जुट गए।

कोई जनहानि नहीं

गनीमत रही कि इस दुर्घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि या किसी यात्री के घायल होने की सूचना नहीं है। हादसे की जानकारी मिलते ही रेलवे के आला अधिकारी और तकनीकी टीम घटना स्थल के लिए रवाना हो गई है। ट्रेन को वापस पटरी पर लाने और मार्ग को सुचारु करने का कार्य यूपी स्ट्र पर शुरू किया जा रहा है।

नागपुर की ओर जा रही थी ट्रेन

बताया जा रहा है कि यह ट्रेन नागपुर की ओर जा रही थी। ट्रेन की गति सामान्य थी। इस दौरान जोरदार झटके के साथ ब्रेकयान के पहिए पटरी से नीचे उतर गए। अचानक हुए हादसे की वजह से यात्रियों की धड़कनें बढ़ गईं।

रेलवे ट्रैक है बाधित

वहीं, इस आदेश के बाद रेलवे ट्रैक पर ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित है। रेलवे की तकनीकी टीम ब्रेकयान को ट्रैक पर लाने में जुटी है। इसके बाद गाड़ी वहां से आगे बढ़ेगी तो अन्य गाड़ियों की आवाजाही शुरू हो पाएगी।

प्रदेश में एजेंसियों के बाहर कतारें

50 हजार होटल-रेस्टॉरेंट में गैस खत्म होने के कगार पर, इंडक्शन-डीजल भट्टी के रेट दोगुने

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में एलपीजी सिलेंडर की ऑनलाइन बुकिंग बंद सी है। सर्वर डाउन है, इसलिए लोग बुकिंग नहीं कर पा रहे हैं। वेंडिंग 7 से 8 दिन तक पहुंच गई है। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर समेत प्रदेशभर में गैस एजेंसियों और गोदामों के बाद सुबह से लोगों की भीड़ लगी हुई है। कुछ शहरों से सिलेंडर की कालाबाजारी के आरोप भी लगे हैं।

इधर, मार्केट में इंडक्शन और डीजल भट्टी की कीमतें बढ़ी हैं। भोपाल में इंडक्शन की बिक्री 7 गुना तक बढ़ गई है। वहीं, प्रदेश में 50 हजार होटल-रेस्टॉरेंट में गैस खत्म होने के कगार पर है। सतना के 86 लोगों ने सिलेंडर नहीं मिलने की शिकायत सीएम हेल्पलाइन पर की है। उज्जैन में एक प्राइवेट अस्पताल की कैटीन में डीजल भट्टी से खाना बनाया जा रहा है।

भोपाल होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष तेजकुल पाल सिंह पाली के मुताबिक, भोपाल के करीब 2 हजार होटल-रेस्टॉरेंट को 4 दिन में एक भी सिलेंडर नहीं मिला। कई होटल्स ऐसे हैं, जहां पर 24 से 48 घंटे तक भी बमुश्किल निकल पाएंगे।

एसोसिएशन ने सरकार से मांग की है कि होटल, रेस्टॉरेंट, कॉलेज की कैटीन को भी इमरजेंसी सेवा में शामिल किया जाए, क्योंकि भोपाल में ही करीब 2 लाख स्टूडेंट्स को यहां से भोजन मिलता है। उनके सामने बढ़ी दिक्रत खड़ी हो जाएगी।

● श्योपुर में एसडीएम गगन मीणा ने माइक्रो पर लोगों को समझाव दी। भीड़ संभालने के लिए पुलिस तैनात।

● इंदौर में एजेंसी वाले बुकिंग के लिए नया



नंबर दे रहे, एप डाउनलोड करवा रहे। रात में बुकिंग करने का कह रहे हैं।

● बालाघाट के वारासिवनी में खाद्य विभाग की टीम ने चौपाटी वालों से 13 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए।

● डिंडोरी की महिला कर्मचारी ने बताया,

भिंड में गैस सिलेंडरों से भरी गाड़ी लूटने की कोशिश, गैस एजेंसियों में दहशत, सप्लाई टप

भिंड (नप्र)। दुनिया के एक हिस्से में बढ़ रहे युद्ध के बादलों ने चंबल के भिंड जिले में रसोई गैस का संकट पैदा कर दिया है। जिले की गैस एजेंसियों में इस समय दहशत और अनिश्चितता का माहौल है। आलम यह है कि नया स्टॉक न आने के कारण कई संचालकों ने कमर्शियल सप्लाई पूरी तरह बंद कर दी है, वहीं घरेलू उपभोक्ताओं को अब सिलेंडर के लिए करीब एक महीने का इंतजार करना पड़ रहा है।

25 दिन तक पहुंचा वेंडिंग पीरियड- भिंड में गैस वितरण की व्यवस्था पूरी तरह चरमपरा गई है। एजेंसी संचालकों के मुताबिक, पहले बुकिंग के बाद 15 दिनों में मिलने वाला सिलेंडर अब 20 से 25 दिनों की देरी से मिल रहा है। इसके पीछे मुख्य कारण नया स्टॉक न आना, सर्वर डाउन रहना और डिस्ट्रीब्यूटर एजेंसी कॉर्ड के माध्यम से होने वाली जटिल वितरण प्रक्रिया



को बताया जा रहा है। हाईवे पर सिलेंडर लूटने की कोशिश- सप्लाई की कमी ने असामाजिक तत्वों को सक्रिय कर दिया है। बीते 10 मार्च को मालनपुर और गोहद के बीच बालाजी को लूटने का प्रयास किया गया। इस सनसनीखेज

सुबह से लाइन में खड़ी है। घर में 2 दिन से खाना नहीं बना है।

- भोपाल में उपभोक्ताओं ने बताया, गैस एजेंसी के अफसरों और कर्मचारियों के मोबाइल नंबर बंद हैं। कई प्रयासों के बावजूद ऑनलाइन बुकिंग नहीं हो रही है, इसलिए लोग सीधे एजेंसी पहुंच रहे हैं।
- बालाघाट के कैंटरर्स का कहना है कि सिलेंडर नहीं मिल रहे। ऐसे में शादियों की बुकिंग रद्द करनी होगी।
- नरसिंहपुर में गैस एजेंसियों में लंबी कतारें लगी हुई थीं।
- बालाघाट में गैस संकट, अपर कलेक्टर बोले- डीजल भट्टी का प्रयोग करें।
- दमोह में इंडक्शन की मांग में भारी उछाल; मांग पूरी करना मुश्किल।

भोपाल में गैस उपभोक्ता परेशान, बोले- लाइन में सिर्फ जनता खड़ी है

भोपाल में भी रसोई गैस को लेकर हालात खराब हैं। शहर की गैस एजेंसियों के बाहर उपभोक्ताओं की लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। गैस उपभोक्ता ज्ञानेंद्र तिवारी का कहना है कि सरकार लगातार यह दावा कर रही है कि देश में गैस की कोई कमी नहीं है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। उन्होंने कहा कि एजेंसियों के बाहर आम लोग घंटों लाइन में खड़े हैं, जबकि कोई अधिकारी या नेता-मंत्री यहां नजर नहीं आता। उनका आरोप है कि एजेंसी संचालक खुद गैस की कमी की बात कर रहे हैं, जिससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

घरेलू गैस की किफ़्त

चौराहे पर जलाया चूल्हा, सिलेंडर को माला पहनाकर श्रद्धांजलि, कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन

शाजापुर (नप्र)। घरेलू गैस की किफ़्त को लेकर अब एमपी में धरना-प्रदर्शन और विरोध का दौर शुरू हो गया है। प्रदेश के शाजापुर में घरेलू गैस सिलेंडर की डिलेवरी में 8 दिन तक की वेंडिंग और कार्मिशियल सिलेंडर की सप्लाई बंद होने के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। पुलिस चौकी चौराहा पर चूल्हा जलाकर गैस सिलेंडर को माला पहनाई और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।



प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने नाम नरेन्द्र, काम सरेंडर के नारे लगाए। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि नोटबंदी से लेकर अब गैस सिलेंडर तक आम जनता को कतारों में खड़ा कर परेशान किया जा रहा है। युवा कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष चिरम परमार ने कहा कि शहर में होटल और रेस्टॉरेंट पर तवा रोटी मिलना बंद हो गई है। टिफिन सेंटर को भी सिलेंडर डिलेवरी नहीं मिलने से घर से दूर रहकर नौकरी करने वाले लोगों को भोजन नहीं मिल पा रहा है।

चूल्हे खोदकर खाना बनाने की नौबत आ गई

परमार ने कहा कि शादी समारोहों में भी सिलेंडर नहीं मिलने से चूल्हे खोदकर खाना बनाने की स्थिति बन गई है। प्रदर्शन में ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष मंगल सिंह राठौड़, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष रचना जैन, पूर्व पार्षद महेंद्र नाहर, देवेन्द्र परमार, पाषंद बल्ल सनो सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रशासन के गैस उपलब्धता के दावों पर सवाल

पर्याप्त उपलब्धता के दावों पर सवाल उठा रहे लोग जिला जनसंपर्क विभाग द्वारा सोशल मीडिया पर जिले के विभिन्न अनुभागीय अधिकारियों के वीडियो पोस्ट किए हैं, जिनमें अधिकारी क्षेत्र में गैस सिलेंडर की पर्याप्त उपलब्धता का दावा कर रहे हैं। इस पोस्ट पर भी आम नागरिक सवाल खड़े कर रहे हैं। लाइन में बताया कि वह गैस सिलेंडर के लिए किस तरह परेशान हो रहे हैं। वहीं कुछ यूजर ने घरेलू गैस सिलेंडर की कालाबाजारी का मामला भी उठाया। उन्होंने पोस्ट पर लिखा कि अधिकारी फील्ड में उतरकर निरीक्षण करें और कालाबाजारी पर नियंत्रण करें।

नहीं हो पा रही ऑनलाइन बुकिंग उपभोक्ताओं का कहना है कि गैस सिलेंडर की ऑनलाइन बुकिंग नहीं हो पा रही है। कभी फोन कनेक्ट नहीं होता तो कभी सर्वर डाउन की समस्या हो रही है, जिस कारण उनकी बुकिंग ही नहीं हो पा रही है।

जूनियर डॉक्टर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी: उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

उप मुख्यमंत्री के निर्देश के अनुक्रम में स्टाइपेंड वृद्धि आदेश जारी, 1 अप्रैल 2025 से होंगे प्रभावशील

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल के निर्देशों के अनुपालन में चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा जूनियर डॉक्टरों के स्टाइपेंड में वृद्धि संबंधी आदेश जारी कर दिए गए हैं, जो 1 अप्रैल 2025 से प्रभावी होंगे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश सरकार चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने और स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सशक्त एवं जनोन्मुख बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने शिक्षा सशक्त किया कि जूनियर डॉक्टर पूर्ण समर्पण से प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त और सुदृढ़ करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान निभायेंगे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि जूनियर डॉक्टर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। मेडिकल कॉलेजों और संबद्ध अस्पतालों में वे न केवल अपने चिकित्सा प्रशिक्षण को पूर्ण करते हैं। मरीजों को निरंतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में भी जूनियर डॉक्टर अग्रणी भूमिका निभाते हैं। उप मुख्यमंत्री श्री

शुक्ल ने जूनियर डॉक्टर के हित को ध्यान में रखते हुए संबंधित अधिकारियों को सकारात्मक समाधान के निर्देश दिए थे। उसके अनुक्रम में विभाग द्वारा स्टाइपेंड वृद्धि का आदेश जारी किया गया है। प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में कार्यरत जूनियर डॉक्टरों के स्टाइपेंड में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक 2.94 के आधार पर वृद्धि करते हुए 1 अप्रैल 2025 से संशोधित स्टाइपेंड लागू किया गया है। इसके तहत पीजी प्रथम वर्ष का स्टाइपेंड 75,444 रुपये से बढ़कर 77,662 रुपये, द्वितीय वर्ष का 77,764 रुपये से बढ़कर 80,050 रुपये तथा तृतीय वर्ष का 80,086 रुपये से बढ़कर 82,441 रुपये किया गया है। इसी प्रकार इंटेर्न का स्टाइपेंड 13,928 रुपये से बढ़कर 14,337 रुपये किया गया है। सुपर स्पेशलिटी पाठ्यक्रम के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के स्टाइपेंड को भी बढ़कर 82,441 रुपये निर्धारित किया गया है।

ट्रैक्टर और बाइक की भिड़ंत, दो स्कूली छात्रों की मौत

सागर में परीक्षा देकर लौट रहे थे, बाइक चला रहे सरपंच पिता और बेटा गंभीर घायल

सागर (नप्र)। सागर के रहली थाना क्षेत्र के ग्राम पिपरगौर-खिरिया रोड़ पर तेज रफ्तार ट्रैक्टर और बाइक की भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में बाइक ट्रैक्टर के नीचे फंस गई। घटना में बाइक पर सवार दो स्कूली बच्चों की मौत हो गई। वहीं बाइक चला रहे पिपरगौर के सरपंच और उनका बड़ा बेटा गंभीर घायल हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। शवों का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्राली को जब्त किया है।

जानकारी के अनुसार, रहली के पटना बुजुर्ग में स्थित क्राइस्ट कॉन्वेंट स्कूल में अभिजीत पिता राजेंद्र सिंह (15), विश्वजीत पिता राजेंद्र सिंह (11) और शिवाय पिता सोहन (10) निवासी पिपरगौर पढ़ाई कर रहे थे। उनकी वार्षिक परीक्षा चल रही थी। शुक्रवार को पेपर दिलाने के लिए पिपरगौर के सरपंच पिता राजेंद्र पिता राजकुमार सिंह (47) अपने बेटे अभिजीत, विश्वजीत और भतीजे शिवाय को स्कूल लेकर परीक्षा दिलाने गए थे। स्कूल में पेपर होने के बाद वापस घर लौट रहे थे, तभी



पिपरगौर के पास सामने से आ रहे ट्रैक्टर-ट्राली से बाइक की भिड़ंत हो गई। ट्रैक्टर में बाइक ट्रैक्टर के नीचे फंस गई। घटना में गंभीर चोटें लगने से विश्वजीत और शिवाय की मौत हो गई। वहीं सरपंच पिता राजेंद्र सिंह और बेटा अभिजीत गंभीर घायल हुए। घायलों को रहली स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

परिवार का इकलौता बेटा था शिवाय

दुर्घटना में मृत हुआ छात्र शिवाय अपने परिवार का इकलौता बेटा था। उसके पिता की मौत करीब 5 साल पहले हो चुकी थी। बेटे की मौत के बाद परिवार में मातम का माहौल है। घायल अभिजीत कक्षा 9वीं की पढ़ाई कर रहा है। वहीं मृत विश्वजीत कक्षा 7वीं और शिवाय कक्षा चौथी की पढ़ाई कर रहा था। मामले में पुलिस ने शवों का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम कराया है। मामला दर्ज कर ट्रैक्टर-ट्राली को जब्त किया गया है। ड्राइवर मौके से भाग गया। जिसकी तलाश की जा रही है।

ग्वालियर के तिघरा ट्रेनिंग सेंटर से राजस्थान पुलिस के 36 जवान भेजे गए वापस

एआई वीडियो बनाकर कर रहे थे बदनाम

ग्वालियर (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के ग्वालियर में प्रशिक्षण ले रहे राजस्थान पुलिस के 36 प्रशिक्षुओं को वापस भेज दिया गया है। सभी ने कथित तौर पर एआई का इस्तेमाल कर तस्वीरें बनाए और उन्हें सोशल मीडिया पर प्रसारित कर खराब खाना परोसे जाने का आरोप लगाया था। इसके बाद इन्हें ट्रेनिंग सेंटर से वापस भेज दिया गया है।

ट्रेनिंग सेंटर को बदनाम किया- एमपी के एडीजी राजा बाबू सिंह ने कहा कि जांच में पता चला कि शरारती रंगरूट



एआई-जनित तस्वीरों का उपयोग करके तिघरा स्थित पुलिस प्रशिक्षण केंद्र (पीटीसी) को बदनाम करने के लिए अभियान चला रहे थे। सिंह

राजस्थान के 1005 रंगरूटों को दे रहे थे प्रशिक्षण

सिंह ने कहा कि राजस्थान के डीजीपी के अनुरोध के बाद, 1,005 रंगरूटों को प्रशिक्षण केंद्र में भर्ती किया गया था और अब उनमें से 36 को वापस भेज दिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, राजस्थान पुलिस ने भर्ती किए गए कर्मियों से अधिक लोगों के लिए भोजन तैयार करने में पीटीसी की सहायता के लिए केवल दो रसोइयों को तैनात किया था और उनकी निगरानी के लिए स्थायी रूप से कोई अधिकारी भी तैनात नहीं किया था। उन्होंने बताया कि भर्ती किए गए लोग प्रशिक्षण केंद्र में मशीन से बने व्यंजनों के बजाय गढ़े की सब्जी, केर-संगरी और भट्ठी की रोटियां सहित पारंपरिक राजस्थानी व्यंजनों की मांग कर रहे थे। इसके बाद यह कार्रवाई की गई है।

36 जवान अनुशासनहीनता में सही पाए गए

उन्होंने कहा कि 36 जवान ने अपनी नापाक, शरारती और घोर अनुशासनहीनता के साथ कथित तौर पर प्रशिक्षण केंद्र के लिए समस्याएं पैदा कीं। इन जवानों में से ज्यादातर राजस्थान पुलिस की दूरसंचार शाखा से संबद्ध हैं। अधिकारी ने बताया कि पीटीसी ने नौ महीने के कांटेबल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के लिए आए रंगरूटों को राजस्थान पुलिस निरीक्षक सतवीर यादव को सौंप दिया, जो उन लोगों को गुरुवार को उनके राज्य वापस ले गए।

ने बताया कि उन्होंने कथित तौर पर एआई की मदद से तस्वीरें बनाई थीं, जिसमें प्रशिक्षण केंद्र में परोसा गया कथित बासी भोजन दिखाया गया था।

डंपर ने मासूम को कुचला...

मां ने हाथ से समेटे टुकड़े स्कूल की दीवार पर छिटे खून के छीटे; परिवार ने सड़क पर लगे ब्लड को धोया

मंडला (नप्र)। मध्य प्रदेश के मंडला जिले में शुक्रवार को तेज रफ्तार डंपर ने ढाई साल की बच्ची को कुचल दिया। हादसा इना भयंकर था कि बच्ची के खून के छीटे स्कूल की दीवार पर पड़े हैं। बच्ची की डेडबॉडी सड़क पर चिपक गई थी। मां और परिजन ने टुकड़ों को हाथों से समेटकर पॉलीथीन में डाला। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक मृत बच्ची की पहचान आकृति यादव के रूप में हुई है, जो ग्राम बम्हरी की रहने वाली थीं। वह आंगनवाड़ी से लौट रही थीं, तभी हादसे का शिकार हो गईं। हादसे के बाद ग्रामीणों ने चक्काजाम कर दिया है। पुलिस ने आरोपी ड्राइवर को अरेस्ट कर लिया है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि करीब एक बजे आंगनवाड़ी सहायिका श्रुति यादव बच्चों को

केंद्र से छोड़कर घर की ओर जा रही थीं। उनके साथ गोद में एक छोटा बच्चा था, जबकि ढाई वर्षीय आकृति उनका हाथ पकड़कर पैदल चल रही थी। इसी दौरान तेज रफ्तार डंपर ने बच्ची को अपनी चपेट में ले लिया। वीडियो में दिख रहा है कि बच्ची की डेडबॉडी सड़क किनारे पड़ी है। सड़क पर लोगों की भीड़ है। मां और अन्य परिजन मौके पर हैं। मां चीख-चीखकर रो रही हैं। वहीं परिजन सड़क पर बच्ची के खून को पानी से धुलते नजर आ रहे थे।

हादसे के बाद चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गए। इसके बाद ग्रामीणों ने चक्काजाम कर दिया है। करीब 7 किलोमीटर दूर तिदनी टोल लाजा के पास डंपर को पकड़ लिया गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन को जब्त कर चालक को हिरासत में ले लिया।

चाकू से युवक का कान काटा... 12 घंटे से बेहोश

बदमाशों ने सिर-गर्दन पर वार किए; आरोपी बोले थे-ऐसा मारेंगे नजीर बना जाओगे

भोपाल (नप्र)। भोपाल में बदमाशों ने एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में युवक का दाया कान कट गया। उसके सिर और गर्दन पर भी वार किए गए हैं। खून से लथपथ युवक को हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक घायल की पहचान अल्लाफ राजा के रूप में हुई है, जो ऐशबाग क्षेत्र का रहने वाला है। चौक बाजार से घर लौटते समय नूर महल रोड़ पर आरोपी अमन नेपाली और उसके साथियों ने घेरकर मारा। आरोपियों ने कहा था कि तुझे ऐसा मारेंगे कि नजीर बन जाएगा।

रात करीब 10 बजे वारदात- कोतवाली पुलिस के मुताबिक गुरुवार रात करीब 10 बजे वारदात हुई है। आरोपियों ने जमकर आतंक मचाया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। अल्लाफ के शरीर से काफी ज्यादा खून बह गया है,

जिससे उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। कोतवाली टीआई कारीम कुशवाह ने बताया कि घायल अल्लाफ राजा ऑटो-डेलिविंग का काम करता है। गर्दन में ज्यादा घाव लगने की वजह से 12 घंटे से वह बेहोश है। डॉक्टरों की निगरानी में इलाज चल रहा है। पुरानी रंजिश में वारदात को अंजाम दिया गया है।

पुराने मामले में समझौता नहीं करने पर अटक- कोतवाली पुलिस के मुताबिक आरोपी अमन नेपाली पुराने हत्या के प्रयास के मामले में अल्लाफ पर समझौता करने का दबाव बना रहा था, लेकिन उसने समझौते से इनकार कर दिया था। इसके बाद अमन ने अपने साथियों के साथ मिलकर हमले की सूचना रिची। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फरार आरोपियों की तलाश में उनके संचालित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।